रांची, गुरुवार
30.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 238, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

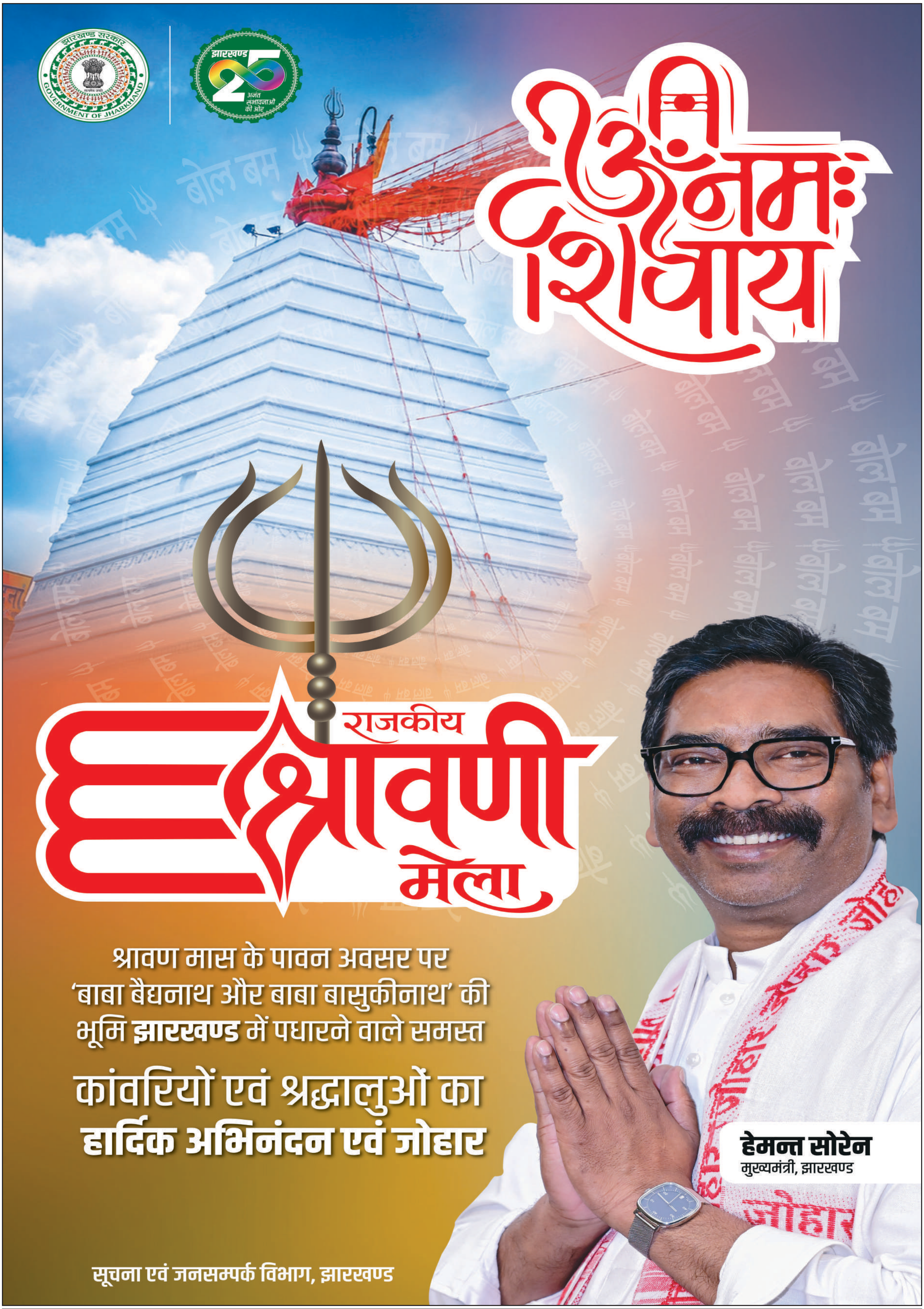

तीन साल से बिस्तर पर पड़ी 57 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी, सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड के जटिल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

बिभा संवाददाता

रांची। औरंगाबाद निवासी 57 वर्षीय बिंदु देवी पिछले करीब तीन वर्षों से सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड के अंदर स्थित एक जटिल ट्यूमर के कारण गंभीर परेशानी से जूझ रही थीं। ट्यूमर के कारण उनके दोनों हाथों की ताकत लगभग खत्म हो गई थी और धीरे-धीरे उनके पैरों में भी कमजोरी बढ़ती गई। स्थिति ऐसी हो गई थी कि वह लंबे समय से बिस्तर पर रहने को मजबूर थीं।

परिजनों ने बेहतर इलाज की उम्मीद में उन्हें बनारस स्थित बीएचयू सहित पटना के कई बड़े अस्पतालों में दिखाया। पिछले तीन वर्षों के दौरान इलाज पर करीब 7 से 8 लाख रुपये खर्च होने के बावजूद उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। परिजन इलाज के लिए एजीपीजीआई भी पहुंचे, लेकिन ट्यूमर की जटिल स्थिति के कारण ऑपरेशन संभव नहीं हो पाया।

कई अस्पतालों में भटकने के बाद बिंदु देवी को रांची सदर अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग में न्यूरोसर्जन डॉ. विकास के नेतृत्व में भर्ती कराया गया। जांच के बाद न्यूरोसर्जरी टीम ने इस अत्यंत जटिल ऑपरेशन को करने का निर्णय लिया।

डॉक्टरों के अनुसार, यह ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि ट्यूमर सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड के अंदर स्थित था, जहां ऑपरेशन के दौरान स्पाइनल कॉर्ड को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचने का गंभीर खतरा रहता है। ऐसे जटिल मामलों में बेहद सावधानी और विशेषज्ञता के साथ सर्जरी की आवश्यकता होती है।

डॉ. विकास, न्यूरोसर्जन के नेतृत्व में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के महज दो से तीन दिनों के बाद ही मरीज के दोनों हाथों और पैरों में धीरे-धीरे ताकत वापस आने लगी। वर्तमान में बिंदु देवी की स्थिति में काफी सुधार है और वह अपने दोनों हाथों को पूरी तरह उठा पा रही हैं। परिजनों के अनुसार, लंबे समय बाद मरीज की हालत में आया यह सुधार उनके लिए किसी नई जिंदगी से कम नहीं है।

ऑपरेशन में एनेस्थीसिया टीम से डॉ. ज्योतिका सहित रामिज, सोहेल, संजू, अमन और पूनम समेत अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि सदर अस्पताल में जटिल न्यूरोसर्जरी का सफलतापूर्वक किया जाना सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे गंभीर न्यूरोसर्जिकल मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी।

वहीं, डीएस डॉ. विमलेश सिंह ने कहा कि सदर अस्पताल की विशेषज्ञ टीम द्वारा इस तरह के जटिल मामले का सफल ऑपरेशन किया जाना अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं और टीमवर्क को दशार्ता है। ऐसे मामलों में मरीजों को समय पर उचित विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। यह मामला उन मरीजों और उनके परिजनों के लिए भी उम्मीद की किरण है, जो जटिल न्यूरोसर्जिकल बीमारियों के इलाज के लिए लंबे समय से भटक रहे हैं।

जन शिकायत समाधान शिविर में पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, 42 गांवों के प्रतिनिधियों के साथ विकास व जनसमस्याओं पर की चर्चा

बिभा संवाददाता

बेड़ो/नरकोपी। बेड़ो प्रखंड अंतर्गत नरकोपी थाना परिसर में बुधवार को आयोजित जन शिकायत समाधान शिविर में पूर्व मंत्री एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की शामिल हुए। इस अवसर पर नरकोपी थाना क्षेत्र के 42 गांवों के ग्राम प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। साथ ही गांवों के विकास की रूपरेखा, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति अभियान एवं नाबालिगों को वाहन नहीं देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक किया गया। सभी धर्मों के लोगों से आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की गई।

इस दौरान पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा, आम लोगों में उन्नति, खुशी और विकास के बलबूते उनके जीवन को बेहतर बनाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन समाज में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए हमेशा तत्पर रहता है तथा नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर आपसी सहयोग और सामंजस्य बनाए रखना चाहिए। जन शिकायत समाधान शिविर के दौरान नरकोपी थाना में प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की जानकारी भी दी गई। थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टंडु ने बताया कि प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। वहीं बेड़ो थाना प्रभारी कफिल अहमद ने बताया कि बेड़ो थाना में एक भूमि संबंधी आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसकी जांच जारी है। कार्यक्रम में बेड़ो प्रखंड उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं 42 गांवों के ग्राम प्रमुख उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जलाभिषेक के लिए यूनियन का जत्था हुआ बाबा नगरी रवाना

जमशेदपुर (बिभा): गुरु पूर्णिमा के दिन (बुधवार को) टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का जत्था प्रातः 7 बजे यूनियन कार्यालय परिसर से कोच बस द्वारा बाबा नगरी के लिए रवाना हुआ। सैकड़ों की संख्या में कांवरिया यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह की अगुवाई में बोल-बम का जयकारा लगाते हुए यहां से विदा लिये। बताते चलें कि यह जत्था सुल्तानगंज से जल उठाकर बाबा नगरी के लिए पैदल जाएगा। जहां सभी जलाभिषेक करेंगे। इस धर्म यात्रा में यूनियन के तमाम पदाधिकारी, कमेटी मेंबर, आरके सिंह फैंस क्लब के तमाम सदस्य आदि गेरुआ व सफेद वस्त्र धारण कर जयकारे लगाते हुए यहां से रवाना हुये। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि भगवान भोलेनाथ को सावन के महीने में जलाभिषेक करने का अलग ही महत्व है। हम-सब प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में अपने मजदूर भाईयों तथा कंपनी के उन्नति की कामना को लेकर पैदल यात्रा पूरी कर भोले शंकर को जलाभिषेक करते हैं। बाबा ही उचित मार्गदर्शन कर सही राह दिखाते हैं। सभी श्रद्धालु स्वर्गीय श्री जेएन टाटा साहब के प्रतिमा को नमन कर यहां से यात्रा प्रारंभ किये। श्रद्धालुओं को विदा करने के लिए यूनियन के पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते यूनियन कार्यालय पहुंचकर यात्रा मंगलमय एवं सुखद होने की सबों को शुभकामनाएं दिये।

मानव अधिकार सहयोग संघ ने आश्रम के मरीजों के बीच बांटे फल और खाद्य सामग्री

जमशेदपुर(बिभा) : मानव अधिकार सहयोग संघ के सदस्यों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक सराहनीय सामाजिक कार्य किया गया। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नव जाग्रत मानव संघ, पार्वती बस्ती आश्रम का दौरा किया। इस दौरान वहां रह रहे मरीजों और जरूरतमंदों के बीच फल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।गुरु पूर्णिमा के इस विशेष दिन पर आश्रम के निवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से इस सेवा कार्य का आयोजन किया गया था। संघ के सदस्यों ने आश्रम के मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इस अवसर पर मानव अधिकार सहयोग संघ की महिला इकाई की अध्यक्ष चरणजीत कौर भाटिया ने कहा, ₹गुरु पूर्णिमा हमें सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश देती है। समाज के वंचित और बीमार लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ी पूजा है। हमारा संघ भविष्य में भी इस तरह के सेवा कार्य जारी रखेगा।₹कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के जिला अध्यक्ष गुरचरण मोहंती, महिला इकाई की जिला अध्यक्ष चरणजीत कौर भाटिया, प्रदेश उपाध्यक्ष रजनी बंसल, अंसार खान, टी तिवारी समेत कई सेवादारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आश्रम प्रबंधन ने मानव अधिकार सहयोग संघ के इस मानवीय प्रयास की सराहना की और सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री नीलकंठ महादेव संघ ने भूमि पूजन के साथ किया भव्य आयोजन का शुभारंभ

जमशेदपुर (बिभा): श्रावण मास की दूसरी सोमवारी के शुभ अवसर पर भगवान भोलेनाथ की भक्ति से वातावरण को शिवमय बनाने के उद्देश्य से श्री नीलकंठ महादेव संघ द्वारा आगामी 10 अगस्त को दसवीं भव्य भजन संध्या एवं विशाल महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ बुधवार को एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में वैदिक मंत्रोच्चार एवं भूमि पूजन के साथ किया गया। विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर आयोजन की सफलता एवं जनकल्याण की कामना की गई। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। संघ के सदस्य अरविन्द कुमार ने बताया कि भजन संध्या को लेकर सभी तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस वर्ष भी देश के प्रसिद्ध एवं ख्यातिप्राप्त भजन गायक अपनी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से शिवभक्तों को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। उन्होंने बताया कि आमंत्रित कलाकारों के नामों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। कार्यक्रम के उपरांत विशाल महाभंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करेंगे। संघ के सदस्य पंकज कुमार, अरविन्द कुमार, बालकृष्ण प्रसाद, अजीत कुमार, रविशंकर सिंह, विकास कुमार, रणवीर मंडल, मुनीम सिंह, राज सिंह, जयपाल भगत, राजभुवन, सतीश, पिंटू, रणजीत सरकार, अमित सिन्हा, संतोष सिन्हा, राजू सानन, महेंद्र शुक्ला, सुनील, धनंजय मंडल, मनोज कुमार, दिलीप पासवान, जितेंद्र प्रसाद, बिट्टू राय सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक संजीव सरदार ने साइकिल वितरण कर योजना का किया शुरूआत

शिक्षा ही समाज और राज्य के विकास की मजबूत नींव : विधायक

उन्नति का पहिया से डुमरिया के 368 विद्यार्थियों को मिलेगी शिक्षा की नई रफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की महत्वाकांक्षी ह्यउन्नति का पहियाह्ण साइकिल वितरण योजना के तहत बुधवार को डुमरिया प्रखंड मुख्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पोटका विधायक संजीव सरदार ने छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान कर किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत डुमरिया प्रखंड के कक्षा आठ के कुल 368 छात्र-छात्राओं को योजना का लाभ मिलेगा।

साइकिल मिलने से ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों से विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। इससे छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने और अपनी पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों की शिक्षा के रास्ते में आने वाली आवागमन संबंधी परेशानियों को कम करना और उन्हें शिक्षा से जोड़कर रखना है।

इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि उन्नति का पहिया योजना विद्यार्थियों की शिक्षा यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिले, इसके लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर मन लगाकर पढ़ाई करने और उच्च शिक्षा प्राप्त करने का आह्वान किया।

विधायक ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राज्य के विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ें तथा अपने परिवार, समाज और झारखंड का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलेश कुमार मुर्मू, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी मनीष बारी, जिप सदस्य पार्वती मुंडा, प्रखंड प्रमुख गंगामनी हांसदा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, बीस सूत्री अध्यक्ष भगत बास्के, भगत हांसदा, रामदास हेमब्रम, आदि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर गड्ढे में पलटा ऑटो चालक घायल

बिभा संवाददाता

इटकी : इटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर मलार बस्ती के समीप बुधवार की शाम करीब छह बजे एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से सवारी ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, रांची से गुमला की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार संख्या जेएच01ईपी-0428 ने सड़क पार कर रहे सवारी ऑटो संख्या जेएच 01ऐफके-1103 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर कई बार पलटते हुए सड़क किनारे स्थित गड्ढे में जा गिरा। इस दुर्घटना में ऑटो चालक राजेश महली घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद

आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करते हुए घायल चालक को ऑटो से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही इटकी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार एवं ऑटो को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि पुलिस की तत्परता से यातायात जल्द ही सामान्य कर दिया गया।

विधायक ने युवाओं को होमगार्ड व कक्षपाल भर्ती की तैयारी के लिए बांटे जर्सी, गद्दे और तिरपाल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कई छात्र-छात्राओं ने पोटका विधायक संजीव सरदार से जनता दरबार में उनसे मुलाकात की। उन्होंने बताया की पोटका प्रखंड के चाकड़ी स्थित डी दांडी मैदान में सैकड़ों युवक-युवतियाँ होमगार्ड, कक्षपाल एवं विभिन्न सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए प्रतिदिन अभ्यास करते हैं। यहाँ रामगढ़, किसानडीह, चाकड़ी, राढुड, कोपे, कुलडीहा, पोड़ाहातु, लखनकाई, हारीडीह, मगुवामाई, किताडीह, सारसे सहित पोटका क्षेत्र के आसपास के अनेक गाँवों से छात्र-छात्राएँ पहुँचते हैं। अभ्यास के दौरान ऊँची कूद (हाई जंप) ओर विभिन्न प्रकार के उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण अभ्यर्थियों को

काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, जिससे उनकी तैयारी प्रभावित हो रही थी युवाओं ने इस समस्या को विधायक के समक्ष रखा जिससे विधायक संजीव सरदार ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल ही अपने निजी स्तर से आवश्यक सामग्री जैसे जर्सी, तिरपाल को गद्दे आदि उपलब्ध कराए जिसे विद्यार्थियों को तैयारी करने में बेहतर सुविधा मिले जिसके बाद छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि जनता की छोटी-बड़ी जरूरतों में सहयोग करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और छात्रों की ओर से समस्या उनके संज्ञान में लाई गई थी, जिस पर तत्काल पहल की गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को जब भी किसी जरूरी सहयोग की आवश्यकता होगी, वे अपनी समस्या लेकर उनसे मिल सकते हैं और यथासंभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

पूर्व जिप सदस्य किशोर यादव ने समर्थकों संग विधायक संजीव सरदार को सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बागबेड़ा एवं कीताडीह क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण योजना को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर कुमार यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पोटका विधायक संजीव सरदार से जनता दरबार में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने विधायक निधि से क्षेत्र के लिए 10 कचरा वाहनों की व्यवस्था कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि विधायक संजीव सरदार के आदेश पर एवं उनके मार्गदर्शन से पिछले तीन माह से बागबेड़ा कॉलोनी क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण योजना सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इससे क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय

सुधार हुआ है और स्थानीय नागरिक भी इससे संतुष्ट हैं। अब बागबेड़ा एवं कीताडीह क्षेत्र की अन्य पंचायतों में भी नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए इस योजना का विस्तार करने की आवश्यकता है।

किशोर कुमार यादव ने विधायक से जनहित एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से कचरा वाहन उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि बागबेड़ा एवं कीताडीह क्षेत्र की सभी पंचायतों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण योजना का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर होगी तथा लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। विधायक संजीव सरदार ने कहा की जल्द इस पर पहल की जाएगी और कचड़ा उठाव की सुविधा बागबेड़ा और किताडीह के लोगो को मिलेगी।

31 जुलाई को मांडर पहुंचेगी गुरु रविदास जन्मस्थली की पावन मिट्टी, भाजपा ने बनाई स्वागत की रणनीति

बिभा संवाददाता

मांडर। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के तहत 31 जुलाई को गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली से लाई गई पावन मिट्टी मांडर विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश करेगी। इसके स्वागत को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

इसी सिलसिले में मांडर प्रखंड के कंजिया स्थित भाजपा नेता सन्नी टोप्पो के आवास पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज के लिए प्रासंगिक है। उनका 'बेगमपुरा' का दर्शन भेदभावमुक्त

और समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कार्यकताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने बताया कि अभियान के दौरान समरसता दीप महोत्सव, कलश वंदन, संत संपर्क अभियान, समरसता यात्रा और छात्रावास संपर्क अभियान सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 31 जुलाई को जन्मस्थली की पावन मिट्टी के मांडर विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत, श्रद्धांजलि एवं सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार अभियान के सभी कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम की फोटो, मीडिया कवरेज और संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा।

सम्मेलन में सतीश शाह, हेमंत शाही, मनोज वाजपेयी, गोविंद कुमार, हेमंत दास, शोभा यादव, शांति गोप, अजय तिवारी, राजेन्द्र पाठक, केदार महतो, कंगलेश राय, राजेन्द्र कुशवाहा, मनोज साहू, सतीश झा, सुभाष पोद्दार और चन्दन बैठा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बेड़ो में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

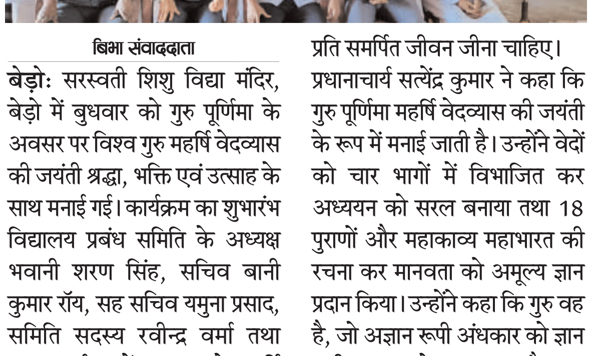

बिभा संवाददाता

बेड़ो: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बेड़ो में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विश्व गुरु महर्षि वेदव्यास की जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष भवानी शरण सिंह, सचिव बानी कुमार रॉय, सह सचिव यमुना प्रसाद, समिति सदस्य रवीन्द्र वर्मा तथा प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार ने महर्षि वेदव्यास के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव बानी कुमार रॉय ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों और संतों की तपोभूमि रहा है। उनके ज्ञान, आदर्श और त्याग के कारण भारत को विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठा मिली। उन्होंने कहा कि हमें अपने महान ऋषियों के आदर्शों का अनुसरण कर राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित जीवन जीना चाहिए।

प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार ने कहा कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने वेदों को चार भागों में विभाजित कर अध्ययन को सरल बनाया तथा 18 पुराणों और महाकाव्य महाभारत की रचना कर मानवता को अमूल्य ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि गुरु वह है, जो अज्ञान रूपी अंधकार को ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सह सचिव ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप विद्यालय की वेशभूषा भेंट की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं सैकड़ों छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रांची, गुरुवार
30.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 238, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

भारत बाघ संरक्षण में दुनिया का नंबर-1, देश में 3,682 बाघ

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अपनी वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत किया है। देश में अब दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत बाघ मौजूद हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 तक पहुंच गई है, जो देश के 58 टाइगर रिजर्व में फैले हुए हैं। यादव ने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या भारत के जंगलों की बेहतर स्थिति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लगातार किए जा रहे प्रयासों का प्रमाण है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि देश में संरक्षण संबंधी नीतियां और पहल प्रभावी रही हैं। उन्होंने कहा कि बाघों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए उसकी प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहेगी। जंगलों से जुड़े स्थानीय समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाने और उनके हितों की रक्षा के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा सख्त; भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य

काठमांडू। नेपाल के सुनसरी जिले के देवांगनज में हाल ही में हुई साम्प्रदायिक हिंसा के बाद भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके तहत अधिकारियों ने नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया है। कोशी प्रांतीय सरकार ने भारत से सटे दक्षिणी सीमा चौकियों पर सुरक्षा बढ़ा दी है और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। विराटनगर स्थित आंतरिक मामले और कानून मंत्रालय में बुधवार को आयोजित सर्वदलीय सुरक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया, जहां अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। कोशी प्रांत के पुलिस प्रमुख डीआईजी शेखर खनाल ने कहा कि रविवार रात हुई हिंसा के बाद संभावित सीमा पार घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि मधेश प्रांत की पुलिस टीमों को भी दक्षिणी सुनसरी में तैनात किया गया है, जहां तनाव बना हुआ है। इसके अलावा सुरक्षा उपस्थिति को मजबूत करने के लिए कोशी प्रांत के अन्य जिलों से भी सुरक्षाकर्मियों को जुटाया गया है।

श्रावणी मेला का भव्य शुभारंभ, मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों के बीच गूंजा बोल बम

बिभा संवाददाता

देवघर। देवाधिदेव बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 का बुधवार को भव्य शुभारंभ हो गया। गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर दुम्मा (झारखंड-बिहार सीमा) स्थित कांवरिया पथ पर वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष पूजा-अर्चना और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच मेले का विधिवत शंखनाद किया गया। पूजा के बाद अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर श्रावणी मेले के शुभारंभ की घोषणा किया।

शुभारंभ समारोह में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडे, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोंनु, विधायक सुरेश पासवान, उदय शंकर सिंह (चुन्ना सिंह), देवेंद्र कुंवर, मेयर रवि राउत, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना या समस्या मिलने पर प्रशासन तत्काल कार्रवाई करेगा।

पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोंनु ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ की कृपा से ही इस विशाल मेले का सफल संचालन संभव होता है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष करीब 53 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे, जबकि इस

वर्ष 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उन्होंने कहा, "हम सब केवल निमित्त मात्र हैं, बाबा के आशीर्वाद से ही यह महान आयोजन सफल होता है।"

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशन में इस वर्ष मेले की उत्कृष्ट तैयारियां की गई हैं। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुए प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने की अपील की। साथ ही कांवरिया पथ के किनारे पीसीसी निर्माण और बालू रोकने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी भी दी। विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि श्रावणी मेला आस्था और श्रद्धा का महापर्व है और बाबा बैद्यनाथ के आशीर्वाद के बिना इसका संचालन संभव नहीं है।

विधायक उदय शंकर सिंह (चुन्ना सिंह) ने मेले की तैयारियों के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि भगवान के आशीर्वाद से उद्घाटन के दिन मौसम भी सुहावना रहा। उन्होंने जिला प्रशासन की तैयारियों की प्रशंसा करते हुए ओवरब्रिज निर्माण और देवघर के पर्यटन स्थलों के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

श्रावणी मेले के शुभारंभ के साथ ही 'बोल बम' के जयघोष के बीच कांवरियों का बाबा नगरी की ओर लगातार प्रवेश शुरू हो गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दुम्मा बॉर्डर सहित पूरे कांवरिया पथ पर पुलिस बल, दंडाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, नगर आयुक्त, सिविल सर्जन, खेल पदाधिकारी, झामुमो जिला अध्यक्ष सह मंत्री प्रतिनिधि, बीससूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय, अवधेश कुमार, सुरेश साह, उपमहापौर टिप चटर्जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ऊर्जा विभाग के अद्यतन कार्यों एवं योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की

रांची में बनेंगे तीन नए स्मार्ट ग्रिड

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में ऊर्जा विभाग के अद्यतन कार्यों और योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की।

इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र राज्य के आर्थिक, औद्योगिक एवं सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए बिजली उत्पादन, संचरण एवं वितरण व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और बिजली कटौती एवं अन्य समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि बढ़ती

ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि, ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने ऊर्जा विभाग को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सभी योजनाओं का समय पर और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली कटौती से संबंधित शिकायतों का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जलने की स्थिति में 24 घंटे के भीतर नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक और नवाचार आधारित तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में उपलब्ध जल संसाधनों, जलाशयों और जलप्रपातों की अपार संभावनाओं का वैज्ञानिक एवं तकनीकी आकलन कर जलविद्युत उत्पादन को नई गति दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से हुंडरू, जोन्हा सहित राज्य के विभिन्न जलप्रपातों एवं जलाशयों की क्षमता का विस्तृत अध्ययन कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और इंजीनियरिंग समाधानों का उपयोग करते हुए कम जल उपलब्धता में भी अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत किया जा सके और भविष्य की बढ़ती विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रभावी ढंग से हो सके।

राज्य में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत रांची में तीन नए स्मार्ट ग्रिड स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी। नए स्मार्ट ग्रिड कुसई कॉलोनी, बरियातू और इटकी में स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा कई नए विद्युत उपकेंद्रों का भी निर्माण किया जाएगा।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि स्मार्ट ग्रिड परियोजना के माध्यम से विद्युत वितरण प्रणाली को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा, जिससे बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति की निगरानी, लोड प्रबंधन और संभावित तकनीकी बाधाओं के त्वरित समाधान में भी सुविधा होगी।

शेष पेज 8 पर

14वीं जेपीएससी परीक्षा : सीआईडी ने अभ्यर्थियों से मांगी ओएमआर शीट की कॉपी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा से जुड़ी शिकायतों की जांच कर रही सीआईडी ने सफल अभ्यर्थियों से उनकी ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। एजेंसी का कहना है कि इससे जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

सीआईडी के अनुसार, अभ्यर्थी पेपर-1 और पेपर-2 की ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी स्कैन कर पीडीएफ के रूप में या स्पष्ट फोटो लेकर व्हाट्सएप अथवा ईमेल के माध्यम से भेज सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों के पास कार्बन कॉपी उपलब्ध नहीं है, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे इसकी जानकारी कारण सहित सीआईडी को दें।

जांच एजेंसी ने इस संबंध में एक व्हाट्सएप नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी जारी की है, ताकि अभ्यर्थी आसानी से आवश्यक दस्तावेज और जानकारी साझा कर सकें।

सीआईडी ने स्पष्ट किया है कि 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच कई बिंदुओं पर चल रही है। एजेंसी पहले भी अभ्यर्थियों और आम लोगों से इस मामले से जुड़े दस्तावेज, साक्ष्य और अन्य तथ्य उपलब्ध कराने की अपील कर चुकी है।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांग्ते से दूसरे दिन भी सीआईडी की लंबी पूछताछ, देर शाम छोड़ा गया

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते से सीआईडी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी कई घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान भर्ती प्रक्रिया और जांच से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर उनसे विस्तृत जानकारी ली गई। देर शाम पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई। 31 जुलाई को सीआईडी ने ख्यांगते को पूछताछ के लिए फिर बुलाया है। सूत्रों के अनुसार, सीआईडी के अधिकारियों ने एल. ख्यांगते से परीक्षा संचालन, चयन प्रक्रिया और अन्य संबंधित मामलों पर सवाल पूछे। जांच एजेंसी उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य आरोपितों के बयानों का मिलान कर मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

ईडी ने कोयला कारोबारी एलबी सिंह के 160 करोड़ के म्यूचुअल फंड किया फ्रीज, 1.02 करोड़ जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। धनबाद में कोयला चोरी, लेवी वसूली और रंगदारी के मामलों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। आउटसोर्सिंग कंपनी के मालिक और कोयला कारोबारी एलबी सिंह के 160 करोड़ रुपये से अधिक के म्यूचुअल फंड को फ्रीज करने के साथ ही 1.02 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं।

साथ ही विभिन्न कोयला कारोबारियों की 200 से अधिक चल संपत्तियों से जुड़े कागजात भी ईडी के हाथ लगे हैं। ईडी ने धनबाद में मंगलवार को एक साथ 31 जगहों पर छापामारी की थी। इनमें मुख्य रूप से अनिल गोयल, एलबी सिंह, झामुमो नेता हरेंद्र चौहान, गणेश यादव, पप्पू मंडल, रोहित यादव और माधो सिंह शामिल हैं।

ईडी ने इन लोगों के अलावा इनके सहयोगियों के ठिकानों पर भी छापामारी की थी। इसके साथ ही ईडी ने यह भी साफ कर दिया है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ईडी की ओर से बताया गया है कि छापेमारी अभियान के दौरान एलबी सिंह की ओर से म्यूचुअल फंड में किए गए लगभग 160 करोड़ रुपये के निवेश का पता चला और इसके कागजात मिले। जिसे फ्रीज कर दिया गया है।

इसके अलावा 1.02 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी मिली, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके अलावा अवैध कोयला कारोबार से जुड़ा हुआ कई सबूत भी मिले हैं। इनमें 200 से ज्यादा अचल संपत्तियां मिली हैं। जो अपराध से हुई कमाई से खरीदे जाने का ईडी को संदेह है। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण जानकारी, डेटा, कई डिजिटल डिवाइस, इन लोगों के मालिकाना हक वाली संस्थाओं के बैंक खाता सहित अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी छापामारी को लेकर बताया है कि जो कार्रवाई की गई है वह मुख्य रूप से अवैध रूप से कोयला खनन, कोयला चोरी, तस्करी, कोयला उठाव पर जबरन वसूली, लेवी उगाही और इससे जुड़े अवैध गतिविधियां शामिल हैं।

ईडी की यह कार्रवाई मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत किया गया। जिन जगहों पर तलाशी ली गई, ये उन आरोपित लोगों और उनकी कंपनियों के सहयोगियों, रिश्तेदारों और संस्थाओं से जुड़े थे।

इनमें गणेश यादव, पप्पू मंडल, रोहित यादव, माधो सिंह आदि शामिल हैं। जबकि इनमें अनिल गोयल, एलबी सिंह और हरेंद्र चौहान प्रमुख हैं। पीएमएलए के तहत जांच से पता चला कि इन लोगों ने अपराध करके भारी मात्रा में अपराध से हुई कमाई जमा की थी।

इस प्रक्रिया में उन्होंने अपराध से हुई कमाई को छिपाने और उसे वैध दिखाने के लिए कई संस्थाओं और लोगों का इस्तेमाल किया। बाद में अपराध से हुई इस कमाई का इस्तेमाल चल और अचल संपत्ति खरीदने में किया गया।

छापेमारी के लिए जिले के विभिन्न थानों में उपरोक्त लोगों के खिलाफ कोयला चोरी से संबंधित हुई प्राथमिकी को ईडी ने अपना आधार बनाया। इसमें अनिल गोयल, एलबी सिंह, हरेंद्र चौहान, गणेश यादव, पप्पू मंडल, रोहित यादव, माधो सिंह समेत अन्य की कथित तौर पर संलिप्तता रही है। थानों में दर्ज एफआइआर को लेकर पुलिस ने कई मामलों में चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है।

राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक राज्यसभा से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने विपक्ष के विरोध के बीच राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक-2026 चर्चा के बाद बुधवार को पारित कर दिया। इस विधेयक में राष्ट्रीय गीत के अपमान या उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान है। अब यह विधेयक विचार और पारित होने के लिए लोकसभा भेजा जाएगा। लोकसभा से मंजूरी और राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद ही यह कानून बन जाएगा।

बुधवार को दोपहर दो बजे राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक-2026 को पारित करने के लिए राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करते हुए भाजपा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि पिछले 123 वर्षों से वंदे मातरम् का अपमान किया जाता रहा है। इस गीत से प्रेरणा लेकर देश के क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान दिए। विधेयक पर चर्चा के

दौरान एआईएडीएमके सदस्य एम. थम्बीदुरई ने कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक का समर्थन करती है, लेकिन तमिलनाडु सरकार द्वारा "तमिल थाई वाज्थु" को तीसरी प्राथमिकता दिए जाने पर उन्हें निराशा है। थम्बीदुरई ने कहा कि तमिलनाडु में "तमिल थाई वाज्थु" को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह गीत तमिल भाषा और संस्कृति की पहचान है, इसलिए राज्य में इसे सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए। चर्चा में बीजू जनता दल की सुलता देव ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि वंदे मातरम को सभी विधानसभाओं में रोजाना गाना चाहिए। संसद की कार्रवाही की शुरूआत भी वंदे मातरम से होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, एआईएडीएमके के एम. थंबीदुरई सहित कई भाजपा के कई सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया और विधेयक का समर्थन किया। बाद में जब केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले प्रस्तावित विधेयक पर अपनी बात रख रहे थे, तब विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया।

राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस विधेयक में किया गया संशोधन केवल एक कानूनी बदलाव नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शेष पेज 8 पर

पेपर लीक रोकथाम के लिए कानून को सख्त बनाने वाला विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े मामलों में मौजूदा कानून को अधिक कठोर किए जाने वाला संशोधन विधेयक शोर-शराबे के बीच बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि उन्हें आशा थी कि सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे लेकिन इस विषय पर राजनीति करने का प्रयास किया गया।

डॉ. सिंह ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर कल से शुरू हुई चर्चा पर आज जवाब दिया। विधेयक के पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

डॉ सिंह ने बताया कि सदन में इस विधेयक पर अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। लगभग 40 से 45 वक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया और विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। हालांकि उन्हें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी हुई। उन्होंने कहा, "हमें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी है। उन्होंने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया, वे न केवल संसदीय मयार्दा के विरुद्ध हैं, बल्कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के भी प्रतिकूल हैं।"

उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया

गया था। हालांकि हाल की घटनाओं के बाद सरकार ने विशेषज्ञों की सलाह और अनुभव के आधार पर इसे और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया। पहले भी यह अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य था, लेकिन अब इसके प्रावधान और सख्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कदाचार में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा तीन से पांच वर्ष के स्थान पर पांच से दस वर्ष कर दी गई है तथा जुमार्ना बढ़ाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम जुमार्ना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है और उन्हें आठ वर्षों तक परीक्षा संचालन से वंचित किया जा सकेगा। निदेशकों और प्रबंधन से जुड़े दोषियों के लिए भी सजा और जुमार्ने में वृद्धि की गई है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा बढ़ाकर सात वर्ष कर दी गई है तथा जुमार्ना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि 2024 में कानून बनने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले दो वर्षों में इस कानून के तहत 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें 29 मामले अनुचित साधनों की रोकथाम से जुड़े हैं, जबकि 23 मामले भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सामने आए पेपर लीक मामले की सूचना 7 और 8 जुलाई की रात को मिली। 12 जुलाई को जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई। अगले ही दिन 13 लोगों को हिरासत में लिया गया और लगभग 92 स्थानों पर छापेमारी की गई। सरकार के अनुसार, सीबीआई ने शीघ्रता से जांच पूरी कर आरोपपत्र दाखिल किया और नए कानून के तहत मुकदमे की सुनवाई भी शुरू हो गई, जिससे लगभग पांच महीने के भीतर निर्णय आने की व्यवस्था है।

शेष पेज 8 पर

इराक में अमेरिका एवं सऊदी अरब के संयुक्त हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत

एजेंसी

बगदाद: इराक में अमेरिका और सऊदी अरब के साझा हवाई हमलों में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। इन हमलों में ईरान से जुड़े 'लॉजिस्टिक्स और हथियारों के ठिकानों' को निशाना बनाया गया।

इस घटना के बाद बगदाद में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक बुलाई गई है। दूसरी ओर, तेहरान ने जॉर्डन में मौजूद अमरीकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी मिसाइल हमले करने का दावा किया है। इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस (पीएमएफ) ने टेलीग्राम पर एक बयान जारी कर पुष्टि की कि अमेरिका और सऊदी अरब के हमलों में कम से कम 20 जवान शहीद हुए हैं और 32 घायल हैं। समूह के अनुसार, ये हमले बगदाद, वासित, निनवे, बसरा, किरकुक, कर्बला और दियाला समेत सात प्रांतों में स्थित उनके सैन्य ठिकानों पर हुए। इससे उनके मुख्यालयों, वाहनों और हथियारों को भारी नुकसान पहुंचा है। पीएमएफ का कहना है कि राहत कार्य जारी होने के कारण मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। इससे पहले पीएमएफ की 30वीं ब्रिगेड ने बताया कि स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 3:20 बजे उत्तरी इराक के निनवे प्रांत में सात हमले किए गए, जिनमें 10 लोगों की मौत हुई और छह अन्य घायल हो गए। पीएमएफ ने कहा, हम इन हमलों को स्थिति को गंभीर रूप से भड़काने वाला कदम, इराक की संप्रभुता का हनन और हमारी सरकारी सुरक्षा संस्थाओं पर सीधा हमला मानते हैं।

बोकारो में एसआईआर-2026 अभियान का पहला चरण पूरा

जिले में 15.35 लाख गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन शत-प्रतिशत संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर- टू स्थित जायका हैपनिंग्स में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि एसआईआर-2026 के तहत आम मतदाताओं एवं बीएलओ की सहभागिता वाला चरण बुधवार रात 12 बजे के साथ संपन्न हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति रखने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र नागरिकों की किसी कारणवश एसआईआर प्रक्रिया में भागीदारी नहीं हो सकी है, वे 05 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में नाम शामिल करा सकेंगे। डीईओ सह डीसी ने कहा कि वर्ष 2003 के बाद पहली बार इस स्तर पर विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया है। इसका उद्देश्य स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत अथवा अन्य आवश्यक संशोधनों का सत्यापन कर मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से किसी भी पात्र मतदाता का मतदान का अधिकार समाप्त नहीं होता, बल्कि भविष्य में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत नाम जोड़ा जा सकता है। कहा जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर-2026के तहत डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। 34-गोमिया विधानसभा क्षेत्र में 3,19,737, 35-बेरमो विधानसभा क्षेत्र में 3,31,728, 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 5,97,439 तथा 37-चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र में 2,86,363 गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया गया। इस प्रकार जिले के कुल 15,35,267 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण कर जिला ने निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल कर लिया।

एआरओ सह एसडीएम चास प्रांजल ढांडा ने बताया कि एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रचार रथ, सोशल मीडिया, मीडिया संवाद, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के सहयोग से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अंतिम समय तक प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित कर अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कल्याणपुर में तेज रफ्तार हाइवा ने स्कॉर्पियो को मारी टक्कर , तीन घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के कल्याणपुर के पास एनएच-23 पर बुधवार अपराह्न करीब साढ़े चार बजे एक तेज रफ्तार पीले रंग की हाइवा ने रांची से आ रही स्कॉर्पियो (जेएच 01 बीएन 5338) को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तीव्र थी कि स्कॉर्पियो 90 डिग्री पर घूम गई और उसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शी शाहजहां अंसारी ने बताया कि जैनामोड़ की ओर से तेज गति से आ रही हाइवा ने टर्निंग प्वाइंट पर चेतावनी न देकर स्कॉर्पियो को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो के चालक मुन्ना कुमार, सवार संजीत कुमार और बीच सीट पर सो रहे मनीष कुमार को तुरंत जरीडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

घायल संजीत कुमार ने बताया कि वे तीनों रांची के चिरौंजी के निवासी हैं और करीब एक माह पहले धनबाद के कतरास में हुई बहन की शादी के बाद उसे रांची लाने के लिए कतरास जा रहे थे। सड़क हादसे की सूचना पर परिजन रांची से मौके की ओर रवाना हो गए।

दुर्घटना के बाद हाइवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोग और पुलिस ने बताया कि घायलियों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है, जबकि हाइवा चालक की पहचान और वाहन का पता लगाने के लिए टीमों को तैनात कर दिया गया है। जरीडीह थाना इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रहा है और मामले की जांच जारी है।

सिविल सर्जन के खिलाफ कल बोकारो में महाधरना: संयुक्त संघर्ष समिति ने निलंबन और तबादले की उठाई मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला सिविल सर्जन डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद के खिलाफ 31 जुलाई 2026 को सिविल सर्जन कार्यालय बोकारो के समक्ष एक दिवसीय महाधरना संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में किया जाएगा. धरना के माध्यम से भ्रष्टाचार एवं मनमानी कर रहे सिविल सर्जन को तत्काल निलंबित करते हुए स्थानांतरण करने की मांग की जाएगी.

श्रीमती महतो ने कहा कि इस संबंध में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव एवं उपायुक्त बोकारो को पूर्व में ही अनेक सामाजिक और राजनीतिक संगठन ने मांग पत्र देते हुए डॉ अभय भूषण प्रसाद के ऊपर कारवाई करने के मांग की थी. संयुक्त संघर्ष समिति ने भी विगत शनिवार को इस संदर्भ में उपायुक्त बोकारो को मांग पत्र सौपते हुए धरना कार्यक्रम करने से संबंधित अवगत कराया था. किंतु लगभग 8 महीने बीत जाने के बावजूद आज तक भ्रष्टाचार एवं मनमानी कर रहे सिविल सर्जन के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है. उक्त बातें आज बायपास रोड चास में संवाददाता वार्ता में कार्यक्रम की संयोजक गायत्री देवी महतो ने कहीं. श्रीमती महतो ने कहा कि डॉ अभय भूषण प्रसाद का आवासीय परिसर भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है. उस परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने की मांग की गई है.साथ ही साथ निदेशक एवं उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवा झारखंड सरकार के निर्देश का भी मनमानी करते हुए डॉ प्रसाद अपने मनमर्जी से काम कर रहे हैं. सदर अस्पताल में जीवन रक्षक दवाई सहित जिले में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं सभी लाभकारी योजनाओं में पूरी तरह मनमानी किया जा रहा है. रैबीज इंजेक्शन सहित अन्य दवाई सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में नहीं के बराबर मिल रही है. बोकारो सिविल सर्जन जनप्रतिनिधियां का फोन उठाना भी उचित नहीं समझते हैं. बिना मापदंड के जिले में चल रहे निजी स्वास्थ्य केंद्र को पूरा संरक्षण डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद से मिला हुआ है.

संक्षिप्त खबरें

सऊदी अरब से सत्येंद्र महतो का शव गांव पहुंचा, परिजनों में मचा कोहराम

गोमिया (बोकारो)(बिभा): जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत कतवारी गांव के प्रवासी मजदूर सत्येंद्र महतो का शव एक महीने बाद बुधवार सुबह सऊदी अरब से गांव पहुंचा. शव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम छा गया. अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. शव देखते ही परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया. पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था. इस दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं. जानकारी के अनुसार सत्येंद्र महतो 26 नवंबर 2024 को रोजगार की तलाश में सऊदी अरब गए थे. वहां वे हमद सालेह अल-काफ कॉन्ट्रैक्टिंग एस्टैब्लिशमेंट कंपनी में ट्रक ड्राइवर के रूप में काम करते थे. 25 जून को सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी. सत्येंद्र महतो अपने पीछे पत्नी, पुत्री प्रीति कुमारी (21 वर्ष), पुत्र अरविंद कुमार और मंगेश कुमार (13 वर्ष) को छोड़ गए हैं. मौके पर प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सिकंदर अली पहुंचे. उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी विदेशों से महीनों बाद शव आने के मामले सामने आते रहे हैं.

सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार बोकारो के विद्यार्थियों ने सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व नगर का मान बढ़ाया है। प्राचार्य डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि इस परीक्षा में विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र यशवर्द्धन सिंह, अर्णव द्विवेदी एवं उज्ज्वल कुमार ने अपनी असाधारण गणितीय प्रतिभा, तार्किक क्षमता एवं समस्या-समाधान कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करने, तार्किक चिंतन को बढ़ावा देने एवं वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में गणितीय अवधारणाओं के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना विद्यार्थियों की उच्च बौद्धिक क्षमता, कठिन परिश्रम व समर्पण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को चुनौतियों से निबटने के लिए तैयार किया जाता है। साथ ही उन्हें विविध प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता का गुर बताया जाता है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थी सफलता की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। विद्यार्थियों की सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों के अभिभावकों व शिक्षकों के योगदान की भी सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सफल छात्र भविष्य में भी विद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने यशवर्द्धन सिंह, अर्णव द्विवेदी व उज्ज्वल कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पीटर थंगराज मेमोरियल ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

बोकारो(बिभा) : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के तत्वावधान में मंगलवार, 29 जुलाई से 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का शुभारंभ हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने तथा उभरती फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित यह प्रतियोगिता 2 अगस्त तक चलेगी। इसका उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी ने संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, पूर्व ओलंपियन फुटबॉलर एवं वर्ष 1958 के एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर रहे स्वर्गीय पीटर थंगराज की स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ ग्रामीण एवं अकादमिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन दिन राउंड ऑफ एट के मुकाबलों में भर्रा ने नरकरा को 2-1, सेल फुटबॉल अकादमी ने तुपकाडीह को 9-0, परटांड ने झोपड़ो को 2-0 तथा राधानगर ने शिबुटांड़ को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल मुकाबले 31 जुलाई को और फाइनल 1 अगस्त को खेला जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने शुरू किया 'समरसता संकल्प अभियान'

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी 650वीं जयंती वर्ष पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। गुरु पूर्णिमा से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत आज सूर्य सरोवर तिरंगा पार्क कैंप 2 स्थित में स्थापित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के प्रतिमा पर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संत श्री गुरु रविदास जी महाराज के समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का भाजपा कार्यकताओं ने संकल्प लिया। अगले सात महीनों तक चलने वाला यह अभियान संत गुरु रविदास जी के समानता, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। आप सभी इस अभियान से जुड़ें और संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

बिरंची नारायण ने कहा कि 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक चलने वाले इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक मंडल, बूथ और गांव में संगोष्ठी, प्रभात फेरी, संत संपर्क और सेवा कार्य किए जाएंगे। इसका उद्देश्य गुरु रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। उक्त अवसर पर भाजपा बोकारो जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, भाजपा जिला महामंत्री सह अभियान के संयोजक रामलाल सोरेन,हरीश चंद्र सिंह,राजेश घोषाल,विनोद सिंह आदि उपस्थित थे।

बोकारो के सेक्टर-12 में देर रात 3 घरों में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

बोकारो (बिभा): सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के बागरायबेड़ा मोहल्ले में 27 जुलाई की देर रात (लगभग 2:34 बजे) चोरों ने ताबड़तोड़ तीन घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। वारदात की पूरी तस्वीरें पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। फुटेज में कई चोर संगठित तरीके से सामान इकट्ठा कर कंधों पर लादकर ले जाते साफ दिख रहे हैं। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ितों की शिकायत पर सेक्टर-12 थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने और रात की गश्त बढ़ाने में जुट गई है।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में गुरु पूर्णिमा पर विशेष गुरु पादुका पूजा का आयोजन

गुरुदेव का ज्ञान है अमर : स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती

बिभा संवाददाता

बोकारो। महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में गुरु पूर्णिमा का पर्व हर वर्ष मनाया जाता है। उन्हें धरती का पहला गुरु माना जाता है। 29 जुलाई, बुधवार को चिन्मय विद्यालय बोकारो में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस विशेष दिन पर परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की पादुका की विधिवत पूजा स्वामी तपोवन सभागार में की गई एवं उनके ज्ञान की धारा को याद कर उसे आगे बढ़ाने का सभी ने संकल्प लिया। पूजन संपन्न कराने के लिए चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती मौजूद रही। साथ ही, विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष श्री आरएन मलिक, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे।

गुरु पादुका पूजा की शुरूआत गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती को स्मरण कर की गई। उनकी पादुका की पूजा के बाद स्वामी चिन्मयानंद के 108 नामों का जाप सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर किया एवं उनके चरणों में भाव रूपी पुष्प अर्पित किया। पूजा के अंत में सभी ने गुरुदेव की आरती की एवं उनको मन में रखकर ध्यान लगाया। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रसाद का वितरण किया गया।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर स्वामिनी संयुक्तानंदा ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती द्वारा विश्व में फैलाया गया गीता ज्ञान आज भी अमर है। उनके उपदेश एवं उनकी जीवनी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के दिखाए पथ पर निरंतर चिन्मय विद्यालय बोकारो आगे बढ़ रहा है एवं सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने सभी बोकारो वासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं भी दी।

बीएकेएस ने एसएमएस-1 विभाग की 21 प्रमुख समस्याएं उठाई, सीजीएम ने दिए समाधान के निर्देश

बिभा संवाददाता

बोकारो । बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की ओर से बुधवार को एसएमएस-1 विभाग के कर्मचारियों से जुड़ी 21 समस्याएँ सीजीएम एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखी गईं। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष, महासचिव, उपमहासचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य तथा विभागीय यूनियन के सदस्य मौजूद रहे। यूनियन ने इन मांगों के एक माह के भीतर समाधान की समयसीमा भी मांगी है।

सभा में उठाई गई प्रमुख शिकायतों में विभाग के विभिन्न ऊँचाई वाले कार्य क्षेत्रों (18 मीटर, 14 मीटर एवं 36 मीटर) में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का अभाव और 18 मीटर क्षेत्र में शौचालय न होने की समस्या शामिल है। कास्टर क्षेत्र के बाथरूम जाम होने तथा कास्टर मैकेनिकल सेक्शन में चार्जमैन के लंबे समय से रिक्त पद पर भी चिंता जताई गई।

यूनियन ने कास्टर क्षेत्र और बॉयलर मेंटेनेंस की टॉप रूफ पर जर्जर शीटों के कारण वर्षा के पानी के रिसाव, पुराने और क्षतिग्रस्त शीटों से सुरक्षा खतरे तथा 18 मीटर क्षेत्र के फर्श की भारी क्षति और संचालन के दौरान फ्लाई डस्ट के अत्यधिक उड़ने की समस्या पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। साथ ही कन्वर्टर व कास्टर क्षेत्र की एप्रोच रोड, प्लांट मेडिकल से एसएमएस-1 जाने वाली सड़क तथा बॉयलर से कास्टर तक के मार्गों की खराब सड़कों और क्षेत्र की ड्रेनेज व्यवस्था की बदहाली को भी गंभीर बताया गया।

कास्टर क्षेत्र में दोपहिया वाहनों की पार्कींग, बॉयलर मेंटेनेंस रेस्ट रूम में वर्षा का पानी भरना, मिक्सर एग्जॉस्ट के कार्य न करने और बायपास कर संचालन करने का मुद्दा, तथा बीएसएल कैंटीन के मैकेनिकल स्टोर साइड की क्षतिग्रस्त सीलिंग से संभावित दुर्घटना संबंधी आशंका भी सूचीबद्ध रही। यूनियन ने 8 मीटर क्षेत्र में पड़े अनावश्यक स्क्रैप हटाने और जनरल शिफ्ट ऑपरेशन रूम के चारों ओर सुरक्षा के लिए उचित शीट बैरिकेडिंग कराने की भी मांग की।

डीपीएस चास में चार दिवसीय अंतर सदन सांस्कृतिक महोत्सव आविर्भाव का शानदार आगाज

सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास के विकास में सहायक : ऋषभ झा

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास में बुधवार को चार दिवसीय अंतर सदन सांस्कृतिक महोत्सव 'आविर्भाव' का भव्य उद्घाटन हुआ। पहले दिन आयोजित वाद्य यंत्र प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने तबला, की-बोर्ड, गिटार, बांसुरी, ड्रम्स, हैंडसोनी, कोंगो, डरबुक्का सहित विविध वाद्यों पर संगीतमय प्रस्तुतियाँ दे कर दर्शकों का मन मोह लिया। सभागार पूरे कार्यक्रम में सुरों की मधुर लहरियों से गूँजता रहा।

उद्घाटन मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी ऋषभ कुमार झा ने दीपप्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी, डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री झा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में निहित है। उन्होंने बताया कि संगीत व सांस्कृतिक गतिविधियाँ अनुशासन, धैर्य, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। श्री झा ने प्रतिभागियों को मंच पर आने को ही सफलता माना और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी। प्रश्नोत्तर सत्र में उन्होंने करियर और सफलता के संबंध में उपयोगी सुझाव भी दिए।

प्रतियोगिता के निर्णायकों में द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल के प्रसेनजीत शर्मा, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 के संजीव मजूमदार और एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के संगीत शिक्षक अश्विनी कुमार शामिल थे। उन्होंने प्रस्तुतियों की गुणवत्ता, ताल, लय, तकनीकी दक्षता और मंच प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया। परिणाम में सतलज सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया, जमुना सदन द्वितीय रहा, जबकि गंगा और चेनाब सदन संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने संदेश भेजते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियाँ शिक्षा को जीवंत बनाती हैं और भारतीय संस्कृति के साथ आधुनिक शिक्षा के समन्वय से सुसंस्कृत नागरिक तैयार होते हैं। प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि डीपीएस चास का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक चेतना का विकास भी है। उन्होंने अंतर सदन प्रतियोगिताओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना बढ़ाने वाला बताया। डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने भी कहा कि कला और संस्कृति व्यक्तित्व विकास के अनिवार्य पक्ष हैं और ऐसे मंच विद्यार्थियों को आत्मविश्वास तथा नेतृत्व दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर दुगदा में हर्षोल्लास के साथ गूरूपूर्णिमा उत्सव मनाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो। चंद्रपुरा के दुगदा में पं बागेश्वरी पांडेय सरस्वती विद्या मंदिर दुगदा में बहुत ही हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ गूरूपूर्णिमा उत्सव सह महर्षि वेदव्यास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी एवं सहयोगी आचार्य नकुल चंद्र महतो एवं श्रुति कुमारी ने ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन , पुष्पार्चन एवं वंदना के पश्चात संपन्न हुआ।गूरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों ने साथ भगवा ध्वज के समक्ष गूरूदक्षिणा समर्पित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया सोनु कुमार महतो ने कहा कि आज का दिन गूरूओ के प्रति सम्मान एवं आदर का दिन है।गुरू अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं।बहन नव्या कुमारी,बहन तेजस्विनी कुमारी ,बहन रौशनी कुमारी,बहन श्रेया सिंह ,बहन एंजल प्रिया ने गूरू पूर्णिमा के महत्व के विषय में चर्चा की। विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी जी ने कहा कि आज का यह पावन दिवस गूरू शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने का दिन है। भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा का विशेष महत्व है। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के द्वारा सभी आचार्य दीदी जी को उपहार भेंट किया गया। विद्यालय के सचिव ऋषिकांत तिवारी ने कहा कि आज का पावन दिवस गूरूओ के प्रति आस्था और विश्वास के लिए समर्पित है।

रांची, जमशेदपुर और देवघर में खुलेंगे आधुनिक मिलेट कैफे : शिल्पी

बिभा संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को नेपाल हाउस सचिवालय स्थित अपने चैम्बर में कृषि विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीक पी, विशेष सचिव गोपालजी तिवारी, कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा सहित विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मंत्री ने राज्य में खरीफ फसलों की प्रगति, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया।

मंत्री ने कहा कि राज्य में इस वर्ष मक्का की खेती उत्साहजनक रही है। अब तक 65 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में मक्का की बुआई हो चुकी है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन जिलों में किसानों के बीच मक्का बीज की अधिक मांग है, वहां आवश्यकता के अनुरूप अतिरिक्त मक्का बीज का आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी किसान बीज के अभाव में खेती से वंचित न रहे।

मिलेट मिशन के अंतर्गत आयोजित विशेष पंजीकरण अभियान की समीक्षा करते हुए मंत्री ने बताया कि अब तक लगभग 22,729 किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। उन्होंने इस संख्या में और वृद्धि करने के लिए विशेष पंजीकरण अभियान को और व्यापक स्तर पर संचालित करने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य में मोटे अनाज (मिलेट) को बढ़ावा देने और इससे जुड़े उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से रांची, जमशेदपुर और देवघर में आधुनिक मिलेट कैफे स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि मिलेट कैफे किसानों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ लोगों को पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों से भी जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेंगे।

बैठक में मंत्री ने प्रत्येक पंचायत स्तर पर मिट्टी जांच शिविर आयोजित कर मिट्टी के नमूनों का संग्रहण और परीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से क्षेत्रीय भ्रमण करें और जिलों में विभागीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा करें, जिससे योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंच सके।

मंत्री ने कहा कि कृषक पाठशाला राज्य सरकार की एक फ्लैगशिप योजना है, जिसके माध्यम से किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके प्रभावी संचालन के लिए इसे बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों से जोड़ते हुए विशेषज्ञों का सहयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक परामर्श का लाभ मिल सके।

मंत्री ने विभाग की सभी योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की समृद्धि एवं कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विभाग की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े किसान तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सतत निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

रांची में एसआईआर पूरा, विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाइजेशन शत प्रतिशत के करीब

बिभा संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत रांची जिले में मतदाता सूची अद्यतन करने का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। जिला प्रशासन रांची की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि तमाड़, हटिया, कांके और मांडर विधानसभा क्षेत्रों में एन्यूमरेशन फॉर्म का 100 प्रतिशत वितरण और संग्रहण पूरा हो चुका है, जबकि सिल्ली, खिजरी और रांची विधानसभा क्षेत्रों में भी यह कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है।

बताया गया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाइजेशन का कार्य भी लगभग 100 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है।

जिला प्रशासन ने बताया कि बुधवार की शाम छह बजे तक तमाड़, खिजरी, रांची, हटिया, कांके और मांडर में डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है, जबकि सिल्ली में भी यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके साथ ही जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए एब्सेंटि शिफ्टेड डेड डूप्लिकेट (एएसडीडी) मतदाताओं की सूची भी तैयार कर ली गई है।

जारी आंकड़ों के अनुसार रांची विधानसभा क्षेत्र में 1,52,913 (38.73 प्रतिशत) एएसडीडी मतदाता चिन्हित किए गए हैं। इसके बाद हटिया में 1,84,726 (33.59 प्रतिशत), कांके में 1,42,667 (28.38 प्रतिशत), खिजरी में 89,256 (23.04 प्रतिशत), मांडर में 63,743 (16.24 प्रतिशत), तमाड़ में 32,071 (14.64 प्रतिशत) तथा सिल्ली में 32,560 (14.26 प्रतिशत) मतदाता एएसडीडी श्रेणी में शामिल हैं। प्रशासन ने कहा कि पुनरीक्षण कार्य के तहत मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

संक्षिप्त खबरें

श्रावण माह की तैयारियों का महापौर एवं उप महापौर ने लिया जायजा

रांची(बिभा) : श्रावण माह 2026 के शुभारंभ से पूर्व श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को महापौर रोशनी खलखो एवं उप महापौर नीरज कुमार ने पहाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता, पथ प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं श्रद्धालुओं के लिए की जा रही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। महापौर एवं उप महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि श्रावणी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मौके पर वार्ड 29 के पार्षद सुनील यादव, सुनील माथुर, पंकज चौधरी, जितेंद्र पहलवान, शैलेश जायसवाल, राजन कुमार सहित कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

डीएसपीएमयू में रक्षित वन और मुंडारी साहित्य की प्रासंगिकता पुस्तक का लोकार्पण

रांची(बिभा) : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची में रक्षित वन एवं मुंडारी साहित्य की प्रासंगिकता पुस्तक का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजीव मनोहर ने पुस्तकों का लोकार्पण करते हुए लेखक सुरेंद्र प्रसाद सिंह को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि काव्य हृदय का उद्गार है और यह लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के भाषा विभागों को स्कूल ऑफ लैंग्वेज के रूप में विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। लेखक सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने पुस्तकों की विषय-वस्तु और उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण से जुड़े गीतों के माध्यम से प्रकृति और झारखंड की संस्कृति से इसके जुड़ाव को बताया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद हो भाषा विभाग के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी, इंदिरा गांधी कला केंद्र के निदेशक डॉ. संजय झा, डॉ. कमल बेस, रांची विश्वविद्यालय की डॉ. कुमारी शशि, डॉ. दिनेश दिनमणी, डॉ. जय किशोर, दिलदार पूर्ति, डॉ. निताई चंद्र महतो, डॉ. सीता कुमारी, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. दशमी ओड़िया और शांति केरकेट्टा सहित विभिन्न विभागों के शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजय साहू ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुचित रॉय ने दिया।

गुरु की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करना ही महर्षि वेदव्यास को सच्ची श्रद्धांजलि : डॉ. रंजीत

रांची(बिभा)। भारतीय शिक्षण मंडल, झारखंड प्रांत एवं आरटीसी बीएड महाविद्यालय, बूटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को गुरु पूर्णिमा (व्यास पूजा) उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, मां सरस्वती एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित गीत, संगीत और गुरु वंदना की आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल, झारखंड प्रांत के अध्यक्ष डॉ. रंजीत मिश्रा ने महर्षि वेदव्यास के ज्ञान, दर्शन और भारतीय संस्कृति में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि भारतीयता पर आधारित शिक्षा व्यवस्था वर्तमान समय की आवश्यकता है, क्योंकि यही शिक्षा समाज और राष्ट्र के समग्र विकास का सशक्त आधार बन सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रिचा पद्मा ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान के संवाहक नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, संस्कारों के संवर्धन और राष्ट्र निर्माण के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरु परंपरा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए अनुशासन, सेवा और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आरटीसी कॉलेज के निदेशक डॉ. रुद्र नारायण महतो ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि चरित्रवान, संस्कारित और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक तैयार करना है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाने की प्रेरणा भी देता है। कार्यक्रम में डॉ. अर्पणा शर्मा सहित महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में शिक्षाप्रेमियों ने भाग लिया।

'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत हुई 2.20 करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा सहित पांच नक्सलियों की गिरफ्तारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए भाकपा (माओवादी) के एकमात्र सक्रिय पोलित ब्यूरो सदस्य तथा 2.20 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष नक्सली मिसिर बेसरा उर्फ सागर उर्फ भास्कर उर्फ सुर्निमल को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ संगठन के चार अन्य सक्रिय सदस्यों को भी पकड़ा गया है। संयुक्त अभियान के दौरान उनके कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई 28 जुलाई की देर शाम धनबाद जिले के बरवड्डा थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत की गई। अभियान में धनबाद और गिरिडीह जिला पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 209 कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। मिसिर बेसरा पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये और ओडिशा सरकार ने 1.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा, महानिरीक्षक (आईजी) अभियान नरेंद्र सिंह, आईजी साकेत सिंह, आईजी अनूप बिरथरे, उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) इंद्रजीत महथा, धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभात रंजन और पुलिस अधीक्षक विमल कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मिसिर बेसरा के साथ संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम) तथा 15 लाख रुपये के इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण, एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ और संगठन के दो अन्य सदस्य मंगल मुर्मू तथा दिनेश राय को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी के कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, मिसिर बेसरा पिछले तीन दशक से अधिक समय से झारखंड, ओडिशा, बिहार तथा अन्य राज्यों में माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 175 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह संगठन की रणनीति तैयार करने, शीर्ष नेतृत्व का संचालन करने और कई बड़े नक्सली हमलों की साजिश रचने में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है।

पुलिस ने बताया कि मिसिर बेसरा पर वर्ष 2001 में हजारीबाग के चुरचू में सीआरपीएफ के 12 जवानों की हत्या, धनबाद के तोपचांची में 13 पुलिसकर्मियों की हत्या, पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर में पुलिस बल पर हमला, बोकारो के चंद्रपुरा रेल थाना पर हमला, गिरिडीह होमगार्ड शस्त्रागार से 186 रायफल की लूट, जहानाबाद जेल ब्रेक, वर्ष 2018 की कुचाई मुठभेड़, वर्ष 2022 में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक के अंगरक्षकों की हत्या, वर्ष 2023 में विस्फोटक भंडार की लूट, चाईबासा और गोइलकेरा क्षेत्र की कई मुठभेड़ों तथा वर्ष 2025 में आईईडी विस्फोट सहित अनेक बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहने का आरोप है।

शराब घोटाला: एसीबी ने उत्पाद विभाग के तीन अफसरों को भेजा समन

बिभा संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शराब घोटाले की जांच को तेज करते हुए उत्पाद विभाग के तीन पूर्व अधिकारियों को समन भेजा है। उत्पाद विभाग में पदस्थापित रहे तीनों अधिकारियों से कहा गया है कि चार अगस्त को एसीबी कार्यालय में उपस्थित हो। चार अगस्त को अधिकारियों से पूछताछ होगी।

एसीबी ने जिन चार अधिकारियों को समन भेजा है उनमें उत्पाद विभाग के तत्कालीन संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, तत्कालीन महाप्रबंधक (वित्त) सुधीर कुमार दास और पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश के नाम शामिल हैं।

एसीबी ने जांच के दौरान पूर्व में दर्ज बयानों, उपलब्ध साक्ष्यों का आपस में मिलान किया है। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को पूछताछ के लिए समन भेजा गया है। इन अधिकारियों ने पहले जो बयान दिया था और जो दस्तावेज एसीबी ने जुटाये हैं, उसे लेकर भी सवाल पूछे जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि एसीबी शराब घोटाले की टेंडर प्रक्रिया से जुड़े अलग-अलग पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें टेंडर की शर्तें, उनमें किए गए बदलाव, संबंधित अधिकारियों या संस्थाओं की भूमिका और टेंडर में भाग लेने वाली कंपनियों की भूमिका शामिल है। इसके अलावा कंपनियों द्वारा जमा किये गये बैंक गारंटी, भुगतान, राजस्व वसूली और अन्य वित्तीय दायित्वों से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। एसीबी यह भी जांच कर रहा है कि प्रक्रिया में किसी कमी के कारण सरकारी राजस्व को नुकसान तो नहीं हुआ।

एसीबी के द्वारा शराब की आपूर्ति, दुकानों का हिसाब-किताब, नकद संग्रह, बैंक में राशि जमा कराने, ऑडिट और राजस्व वसूली से जुड़े मामलों की जांच की जा रही है।

नशामुक्त समाज से प्राप्त होगा विकसित भारत का लक्ष्य': सीबीसी रांची द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची। केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, रांची द्वारा ठाकुर विश्वनाथ शहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जगन्नाथपुर, रांची में विकसित भारत - जी राम जी अधिनियम 2025, नशा मुक्ति अभियान एवं भारतीय न्याय संहिताः विषयों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम की मेयर रौशनी खलखो उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों और युवाओं से नशा ना करने की अपील की। उन्होंने विकसित भारत में युवाओं के योगदान पर भी चर्चा करते हुए कहा कि सामूहिक भागीदारी से ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। डिप्टी मेयर नीरज कुमार ने कहा कि जनकल्याण के लिए केंद्र सरकार कई योजनाएं चला रही हैं। जी राम जी अधिनियम के लागू होने से लोगों को 125 दिन रोजगार की गारंटी मिलेगी जिससे इन परिवारों का जीवन स्तर अच्छा होगा। स्वास्थ्य विभाग के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने नशे के कारण होनी वाली बीमारियों और नुकसान के बारे में बताया साथ ही उन्होंने कोटपा अधिनियम के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। दूरदर्शन समाचार के सहायक निदेशक दिवाकर कुमार ने राम जी अधिनियम के प्रावधानों और विकसित भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बच्चों और युवाओं को प्रेरित किया।

इससे पहले पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो , रांची के कार्यालय प्रमुख गौरव कुमार पुष्कर ने विषय प्रवेश कराते हुए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन और विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुषमा मिंडो ने धन्यवाद ज्ञापन किया जबकि शिक्षिका सरिता सिन्हा ने संचालन किया। इस मौके पर स्कूल मैनेजर एस. एम. ओमैर, तकनीकी सहायक मो. रजा आलम, कार्यालय सहायक दुलाम कुमार पांडेय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हैदराबाद में झारखंडी एकता समाज के स्थापना दिवस में शामिल हुए सुदेश

बिभा संवाददाता

रांची। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित झारखंड एकता समाज के स्थापना दिवस समारोह में बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में आजसू के केंद्रीय अध्य क्ष सुदेश महतो शामिल हुए। कार्यक्रम में सुदेश महतो ने कहा कि परदेश में भी झारखंड की पहचान, भाषाझसंस्कृति और सामाजिक समरसता को सशक्त बनाने की यह पहल निरंतर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बसे झारखंड के सभी परिवार, हमारे अपने परिवार हैं। उनके सुख-दुख, सम्मान और प्रगति के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने झारखंड से बाहर रह रहे सभी झारखंडवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी पेशेवर प्रतिभा के साथ-साथ झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति, भाषा और परंपराओं के प्रचार-प्रसार के भी सशक्त दूत बनें, ताकि देशभर में झारखंड की विशिष्ट पहचान और अधिक सुदृढ़ हो।

उन्होंने कहा कि झारखंड एकता समाज की ओर से उन्हें दिया गया सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि झारखंड की संस्कृति, भाषा, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रति समाज के अटूट विश्वास और गौरव का प्रतीक है।

झारखंडी एकता समाज के अध्यक्ष विनोद यादव और महासचिव किशोर कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके पूर्व हैदराबाद पहुंचने पर पर झारखंडी एकता समाज के सदस्यों ने एयरपोर्ट पर सुदेश महतो का उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया।

सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न, उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्षेत्रों एवं विभागों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आज राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने की।

बैठक में महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधकगण, राजभाषा नोडल अधिकारी तथा सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात उप-प्रबंधक (राजभाषा) दिविक दिवेश द्वारा गत तिमाही में संचालित राजभाषा कार्यक्रमों, योजनाओं एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। तिमाही प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग, प्रगति एवं सुधार के विभिन्न पहलुओं की समग्र समीक्षा की गई।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक (राजभाषा) अशोक कुमार ने कहा कि राजभाषा हिंदी केवल संप्रेषण का साधन नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज, संस्कृति एवं राष्ट्रीय पहचान का दर्पण है। इसमें हमारी सोच और संवेदनाएं उतनी ही सहजता से झलकती हैं, जितनी किसी दर्पण में हमारा प्रतिबिंब झलकता है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि ₹राजभाषा हिंदी हमारे प्रशासनिक कार्यों को सरल, सहज और प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि हम अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता दें, तो न केवल राजभाषा नीति के उद्देश्यों की पूर्ति होगी, बल्कि संगठन में संवाद और कार्य निष्पादन भी अधिक प्रभावी होगा। राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना मात्र एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा के समान है, क्योंकि इससे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता एवं राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ होती है।₹ उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिंदी के प्रयोग को एक नियमित कार्य-संस्कृति के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

बैठक के दौरान विगत तिमाही में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन, नवाचार एवं अनुकरणीय प्रयासों के लिए कल्याण विभाग, सामान्य प्रशासन तथा प्रणाली विभाग को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बोकारो एवं करगली क्षेत्र, कथारा क्षेत्र, ढोरी क्षेत्र, कल्याण एवं सेवाएं विभाग, मानव संसाधन एवं औद्योगिक संबंध विभाग, सुरक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास विभाग, औद्योगिक अभियंत्रण विभाग, भूगर्भ विभाग, श्रम शक्ति विभाग, समाधान सेल तथा भर्ती विभाग को प्रशंसा पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

बैठक का समापन राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन को और अधिक सुदृढ़ करने तथा संगठन में हिंदी के प्रयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

डीएसपीएमयू आदिवासी छात्र संघ ने प्रधान सचिव को सौंपा ज्ञापन, छात्रसंघ चुनाव सहित कई मांगें उठाई

बिभा संवाददाता

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार से मुलाकात कर छात्रहित से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं के समाधान और शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

प्रधान सचिव से मुलाकात के दौरान विवेक तिर्की ने विश्वविद्यालय में सीटों में की गई कटौती वापस लेने, झारखंडी एवं जनजातीय भाषाओं के साथ कथित भेदभाव समाप्त करने, गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में संलिप्त शिक्षकों की जांच कराने, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति व्यवस्था लागू करने, छात्रों पर दर्ज कथित झूठे मामलों को वापस लेने, एआईसीटीई से संबंधित पाठ्यक्रमों की मान्यता की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने तथा 'एक व्यक्ति-एक पद' सिद्धांत लागू करने की मांग रखी। विवेक तिर्की ने कहा कि इन मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई होने से विश्वविद्यालय का शैक्षणिक माहौल बेहतर होगा, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी और विद्यार्थियों के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा हो सकेगी। उन्होंने कहा कि छात्र लंबे समय से इन मुद्दों को उठा रहे हैं और अब इनका शीघ्र समाधान आवश्यक है।

प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि छात्रहित से जुड़े सभी बिंदुओं पर विभाग स्तर पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगले तीन से चार माह के भीतर विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी प्रगति पर है, जिसे जल्द पूरा करने की दिशा में विभाग कार्य कर रहा है।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

ललित गर्ग

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो।

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी

असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दर्शाया। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री करने पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

हजारीबागः उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को कालीबाड़ी मार्ग स्थित विभिन्न बीज, यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में यह कार्रवाई की गई, जिनमें यूरिया, डीएपी एवं पोटाश की कालाबाजारी तथा सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की सूचना मिली थी।

खरीफ फसली मौसम को देखते हुए किसानों को उर्वरक एवं बीज की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने मेसर्स उर्वरा, जगदम्बा ट्रेडर्स एवं पूजा ट्रेडर्स सहित कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, स्टॉक एवं बिक्री पंजी, यूरिया की ओपनिंग स्टॉक, उपलब्ध यूरिया बैगों की संख्या, बिक्री रजिस्टर तथा सरकार द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरकों की बिक्री की विस्तार से जांच की। साथ ही उर्वरकों की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने स्थानीय खुदरा विक्रेताओं एवं संबंधित लोगों से बातचीत की। जांच में यह जानकारी सामने आई कि सरकार द्वारा निर्धारित 266 रुपये प्रति बोरा की दर वाला यूरिया 360 रुपये प्रति बोरा तक बेचा जा रहा है तथा डीएपी भी निर्धारित मूल्य से अधिक दर, लगभग 1,850 रुपये प्रति बोरा, पर बेचे जाने की शिकायत मिली।

इस पर उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिले के सभी गोदामों एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मेसर्स उर्वरा प्रतिष्ठान में अधिक दर पर यूरिया एवं डीएपी की बिक्री की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित प्रतिष्ठान को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया तथा दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से उर्वरकों पर सब्सिडी देती है, इसलिए किसी भी स्तर पर कालाबाजारी या मुनाफाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जांच के दौरान उपायुक्त ने स्वयं निरीक्षण में पाया कि उपलब्ध यूरिया नीम-कोटेड प्रतीत नहीं हो रहा था। इस पर उन्होंने तत्काल उर्वरक का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला में गुणवत्ता परीक्षण कराने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित प्रतिष्ठानों से पीओएस मशीन के माध्यम से की गई बिक्री का विस्तृत विवरण तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि वास्तविक बिक्री एवं स्टॉक का मिलान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराना अनिवार्य है। यदि कोई भी विक्रेता कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हजारीबाग के भेलवाटांड़ जंगल स्थित तालाब में डीएवी स्कूल के नौवीं के छात्र की डूबने से मौत

हजारीबाग : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जगदीशपुर स्थित भेलवाटांड़ जंगल (भोलुआ पोखर, सिंघानी) में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में डीएवी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग के नौवीं कक्षा के छात्र हिमांशु राज (15 वर्ष) की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार, विद्यालय तथा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं, इस मामले को लेकर परिजनों ने निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मृतक हिमांशु राज,धर्मेंद्र कुमार का पुत्र था। धर्मेंद्र कुमार झारखंड पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में कोडरमा में पदस्थापित हैं। परिवार हजारीबाग के नूतन नगर में रहता है, जबकि उनका मूल निवास कटकमदाग प्रखंड के ग्राम पसई में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमांशु बुधवार सुबह घर से स्कूल वैन पकड़कर डीएवी पब्लिक स्कूल जाने के लिए निकला था। इसी बीच परिजनों को सूचना मिली कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भोलुआ पोखर, सिंघानी में उसका शव मिला है। बताया जा रहा है कि वह अपने कुछ मित्रों के साथ वहां गया था। आशंका है कि तालाब में नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद उसके साथ गए कुछ मित्र वहां से चले गए। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों एवं मुक्ति सेवा संस्थान के नीरज कुमार के सहयोग से छात्र के शव को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया एवं पंचनामा पूरा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा में पदस्थापित पिता धर्मेंद्र कुमार तत्काल हजारीबाग पहुंचे। बेटे का शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त खबरें

लिटिल एंजेल्स स्कूल में बारिश थीम पर रंगारंग आयोजन, बच्चों की मासूम अदाओं ने जीता सभी का दिल

हजारीबाग (बिभा): लिटिल एंजेल्स स्कूल में आयोजित मानसून कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरे परिसर को खुशियों और उत्साह से भर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चे हाथों में आकर्षक छाते लेकर मंच पर उतरे और बारिश का स्वागत करते हुए गीतों एवं नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मानसून ऋतु के महत्व से परिचित कराना तथा उनके अंदर रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मंच पर प्रस्तुति देने की भावना का विकास करना था। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को वर्षा ऋतु की थीम के अनुरूप सुंदर ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण आकर्षक और आनंदमय नजर आया। कार्यक्रम में बच्चों ने बारिश से जुड़े गीतों, कविताओं और समूह नृत्य के माध्यम से प्रकृति के प्रति अपने प्रेम को अभिव्यक्त किया। छोटे-छोटे बच्चों का छाता लेकर झूमना और बारिश का स्वागत करना कार्यक्रम का सबसे आकर्षक दृश्य रहा, जिस पर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्राचार्या एकता होरा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

भक्ति और श्रद्धा के माहौल में संपन्न हुई चातुर्मास कलश स्थापना

हजारीबाग(बिभा) : पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में बुधवार को चातुर्मास कलश स्थापना समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कोडरमा सहित हजारीबाग, पेटरवार, चतरा, सरिया, रांची, धनबाद, गिरिडीह समेत झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा झारखंड के बाहर से भी अनेक श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। विधि-विधान के साथ संपन्न हुए कलश स्थापना समारोह में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूज्य मुनिश्री के मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति गीतों, मंगलाचरण एवं जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यह आत्मचिंतन, संयम, तप, स्वाध्याय और धर्म साधना का सर्वोत्तम समय है। सभी श्रद्धालुओं से अहिंसा, सत्य, सदाचार एवं संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय जैन समाज, चातुर्मास समिति एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे आयोजन में अनुशासन, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। चातुर्मास कलश स्थापना समारोह कोडरमा के धार्मिक इतिहास का एक भव्य और अविस्मरणीय आयोजन बन गया।

सांसद मनीष जायसवाल की अनुशंसा पर बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति में पांच सदस्यों का नामांकन स्वीकृत

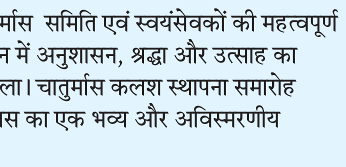

हजारीबाग(बिभा) : केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा अनुशंसित नामों में से पांच व्यक्तियों को बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति (टेलीकॉम एडवाइजरी कमिटी- टीएसी) का सदस्य नामित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में मंत्रालय की ओर से 27 जुलाई 2026 को आधिकारिक पत्र जारी किया गया। मंत्रालय के पत्र के अनुसार सांसद मनीष जायसवाल ने अपने लोकसभा क्षेत्र से योग्य व्यक्तियों के नाम समिति के लिए भेजे थे। विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनकी अनुशंसा पर पांच सदस्यों का चयन कर उन्हें टीएसी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। नामित सदस्यों में रामगढ़ जिले के भुरकुंडा मंडल निवासी योगेश कुमार दांगी, घाटो मंडल के निवासी रणधीर कुमार सिंह और हजारीबाग जिले के चौपारण मंडल निवासी राजेंद्र कुमार चंद्रवंशी (सिंह), पदमा मंडल निवासी सुरेंद्र प्रसाद करौंच और केरेडारी मंडल निवासी महेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने सभी नव-नामित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे दूरसंचार सेवाओं से जुड़े जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से समिति के समक्ष रखेंगे तथा बीएसएनएल की सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

लंबित मामलों, फरार अभियुक्तों और भू-माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करें : एसपी

बिभा संवाददाता

हजारीबागः जिले के पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को कटकमदाग थाना का औचक निरीक्षण कर थाना की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था एवं लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना में संधारित विभिन्न पंजियों, लंबित कांडों, वारंट, कुर्की, चरित्र सत्यापन एवं पासपोर्ट सत्यापन कार्यों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को इनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र में फरार चल रहे सभी अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से अवैध मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में लंबित गिरफ्तारी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। साथ ही नशा मुक्ति को लेकर आम लोगों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

निरीक्षण के दौरान कटकमदाग थाना क्षेत्र में सक्रिय भू-माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध दर्ज मामलों की समीक्षा करते हुए प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कोल साइडिंग क्षेत्र, ट्रांसपोर्टिंग मार्गों तथा अन्य संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्ती बढ़ाने और पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई तथा आम जनता की सुरक्षा हजारीबाग पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

रामगढ़ में 30 और 31 जुलाई को लगेगा भव्य तीज मेला

रामगढ़(बिभा): सावन के रंग और तीज के उल्लास के साथ मारवाड़ी महिला समिति, रामगढ़ कैंट द्वारा इस वर्ष भी भव्य ₹तीज मेला 2026₹ का आयोजन किया जा रहा है। समिति की अध्यक्षा रिद्धि जैन ने बताया कि यह दो दिवसीय मेला 30 और 31 जुलाई 2026 को गंगा रीजेंसी, रांची रोड, रामगढ़ में आयोजित होगा। मेले का उद्घाटन 30 जुलाई 2026 को दोपहर 1 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. मालती चार, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, वृंदावन हॉस्पिटल, रांची रोड, रामगढ़, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। मेले में महिलाओं और परिवारों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां आगंतुकों को विभिन्न प्रकार के एंटीक, श्रृंगार, सजावट, गिफ्ट आदि मिलेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति की अध्यक्षा रिद्धि जैन, सचिव प्रिया अग्रवाल और प्रोजेक्ट चेयरमैन सह महिला सशक्तिकरण प्रमुख श्वेता बगारिया आदि की विशेष भूमिका है।

रामगढ़ में चाकू मारकर युवक की बेरहमी से हत्या

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः जिले के न्यू बगिया स्थित दामोदर नदी रोड पर बुधवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान झंडा चौक कुम्हार टोली निवासी सुमित अग्रवाल के रूप में हुई है. प्रारंभिक जांच में मामला धारदार हथियार, संभवतः चाकू से हमला कर हत्या की गई प्रतीत हो रहा है. घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जानकारी के अनुसार सुमित अग्रवाल मंगलवार शाम करीब 7 बजे से लापता था. परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिलने के कारण कोई सुराग नहीं मिल सका. बुधवार सुबह न्यू बगिया-दामोदर नदी रोड किनारे उसका शव मिलने की सूचना से परिवार और इलाके में शोक व आक्रोश का माहौल है।

घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी मुख्यालय अकरम रजा और रामगढ़ थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं. फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, ताकि वैज्ञानिक तरीके से जांच कर हत्या की गुत्थी सुलझाई जा सके। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि सुमित मंगलवार शाम किन लोगों के संपर्क में था. वह किस उद्देश्य से न्यू बगिया-दामोदर नदी रोड की ओर गया था और घटना से पहले उसकी गतिविधियां क्या थी. मृतक के परिचितों और संपर्क में रहे लोगों से भी पूछताछ की जा रही है. साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

डीएसपी मुख्यालय अकरम रजा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है. उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन तहकीकात कर रही है. फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

हजारीबाग की सड़कें बनी हजार गढ्ढो का शहर

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग सौहार्द सेवा समिति अध्यक्ष सह शांति समिति सदस्य सह झारखंड आंदोलनकारी फहिम उद्दिन अहमद उर्फ संजर मलिक ने एक अनोखा प्रदर्शन सड़को पर उतर कर किया जहां एक तरफ हजारीबाग की सड़कें आवाम के चलने लायक नहीं वहीं इंसानो के साथ आवारा जानवर से लेकर बड़ी गाडियों छोटी कारें मोटर बाइक तथा स्कूल बसें इटा बालु छर्री लदे ट्रेकटर ई रिकशा का चलना हजारीबाग में अब घर से निकलना जोखिम भरा हो गया आप समय पर कहीं पहुंच नही सकते वापस अपने गंत्तव पर लौट गए तो ईश्वर ही की कृपा कब यहां कौन सा घटना हो जाए ना ही जिला प्रशासन और ना कोई सांसद न ही विधायक और नगर निगम का तो हाल बताना ही बेकार सिर्फ टैक्स से मतलब अतिक्रमण तो हटाया जाता है पर सिर्फ गरीबों के उपर ही जबरन तोड़ा जाता है फिर वो लगा लेते है फाईदा शून्य बड़े लोगों पर हांथ लगाने का साहस शायद नहीं अधिकारियों में जनता सब देख रही महापौर उप महापौर हों या जनता की वोट से जीते हुए जन प्रतिनिधि किसी को कोई भी फर्क नहीं पड़ता के लोग सड़क पर चल रहे या गढे. में गिरकर जान माल आर्थिक नुकसान है इन सब मुल भूत सुविधा से इनका रति भर कोई लेना नहीं विभाग में बैठे अभियंता संवेदक कर्मचारी सभी के मिली भगत के कारण सड़को पर चिप्पी साट कर पैसे का बंदर बांट कर समेट देते हैं इन ही बातों को देखते हुए संजर मलिक ने आज शहर के अन्य जगहों पर जहां भी गढे.नजर आ रहे थे तख्ती के साथ तिरंगा हाथों में लेकर जमीन पर बैठ कर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नारा लगाते बैठे रहे लोगों का भी समर्थन मिला पर मौजूद लोगों को संजर मलिक ने कहा सिर्फ खड़ा हो देखने से काम नहीं चलेगा ये कोई ड्रामा का पाट नहीं आप सभी लोगों को अपने हक के लिए आवाज जोरदार तरीके से उठाना लोकतंत्ररिक तरीके से ये अधिकार हमें भारत के संविधान ने दिया है ।

हजारीबाग को मिला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'देव डेंटल क्लीनिक', उपमहापौर व समाजसेवी ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

हजारीबागः शहरवासियों के लिए दंत चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई सौगात के रूप में पंडितजी रोड स्थित बैंक कॉलोनी के समीप देव डेंटल क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। क्लीनिक का उद्घाटन नगर निगम के उपमहापौर अविनाश कुमार यादव एवं समाजसेवी किशोरी राणा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने क्लीनिक की आधुनिक सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे हजारीबाग के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस अवसर पर बताया गया कि क्लीनिक में अनुभवी दंत चिकित्सक डॉ. अनुपमा देव एवं डॉ. अपूर्वा देव अपनी सेवाएं देंगी। यहां मरीजों को दांतों से संबंधित विभिन्न समस्याओं का आधुनिक तकनीक एवं अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। क्लीनिक में सामान्य दंत जांच, दांतों की सफाई, रूट कैनाल उपचार, दांत निकालना, कृत्रिम दांत, कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

डॉ. अनुपमा देव एवं डॉ. अपूर्वा देव ने बताया कि उनका उद्देश्य हजारीबाग के लोगों को महानगरों जैसी गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार में गुणवत्ता, स्वच्छता और आधुनिक तकनीक को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने दोनों चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि देव डेंटल क्लीनिक अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था के कारण हजारीबाग में दंत चिकित्सा का एक नया और भरोसेमंद केंद्र बनेगा। उद्घाटन के दौरान शहर के गणमान्य नागरिक, चिकित्सक एवं शुभचिंतक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बिभा संवाददाता

हजारीबागः स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के परिसर में हरितिमा इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई १ के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक खाद के निर्माण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि, प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। वर्मी कम्पोस्ट जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहलें हमें जैविक खेती, स्वच्छ परिसर और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करती हैं। यदि हम अपने दैनिक जीवन में जैविक अपशिष्टों का उचित प्रबंधन करें, तो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकगण एवंप्रशिक्षुओं ने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कीप्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इसके पर्यावरणीय, कृषि एवं सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को जैविक कचरे के पुनः उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन महाविद्यालय की पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत 132 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, रामगढ़ में जुलाई माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 132 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर और वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस थीम के तहत आज सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया।

इस समारोह में जीएफए एचएसपीए हेड ऑफिस तथा एमडीएच ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया।

इस कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान केक कटिंग की गई, शुभकामना संदेश दिए गए तथा सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई।

वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास और पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते हैं।

गाजियाबाद में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और कई घायल

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हरिद्वार दर्शन और गंगा स्नान के लिए जा रही एक बोलेरो पिकअप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि पिकअप हाल ही में खरीदी गई थी और सवार सभी लोग उसकी पूजा-अर्चना एवं गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सूचना मिलते ही निवाड़ी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का अकेला मामला नहीं है। इससे पहले, 21 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के छपरौला के पास भी सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था, जिससे केबिन में फंसे चालक आमिर (28) की मौत हो गई थी। इन हादसों ने सड़कों पर सुरक्षा उपायों की गंभीरता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा सांसदों को बागवानी सब्सिडी : एक ने लौटाई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद को जानकारी दी कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी और राजस्थान के भाजपा सांसद लुंबाराम को बीते पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता मिली थी। हालांकि, चौधरी ने अपनी सब्सिडी वापस कर दी है। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एनएचबी की योजनाएं व्यावसायिक बागवानी, संरक्षित खेती, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और शीत भंडार अवसंरचना के विकास के लिए पात्र किसानों और उद्यमियों को आर्थिक मदद देती हैं। उन्होंने सांसदों और उनके करीबी परिवार के सदस्यों को मिली वित्तीय सहायता का विवरण दिया, जिसमें चौधरी और लुंबाराम प्रमुख थे। कृषि राज्य मंत्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भगीरथ चौधरी ने अपनी सब्सिडी संबंधित बैंक को लौटा दी है, जिसे बागवानी बोर्ड को वापस भेजने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने बताया कि बोर्ड के दिशानिर्देशों में लोक सेवकों या उनके परिवार के सदस्यों के आवेदनों को लेकर हितों के टकराव का कोई विशेष प्रावधान नहीं है। ये योजनाएं सभी पात्र आवेदकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें व्यक्ति, फर्म और कंपनियां शामिल हैं, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करें। इसमें परियोजना की जमीन आवेदक के स्वामित्व में होनी चाहिए या कम से कम 10 साल के लिए पट्टे पर ली गई होनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा से पहले हापुड़ में मांसाहारी दुकानें बंद : प्रशासन सख्त

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ जिले में आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठा दिए हैं। शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करने और यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, शहर में मीट, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी उत्पादों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें बंद करने के आदेश दिया हैं। यह प्रतिबंध 26 जुलाई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, जिसकी सूचना सभी दुकानदारों को नोटिस के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस अवधि के दौरान कोई भी मांसाहारी प्रतिष्ठान खुला मिलता है, तब उसके मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कविता मीणा ने जानकारी देकर बताया कि कांवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु निर्णय लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी मीट की दुकानों और रेस्टोरेंट संचालकों को सूचित किया गया है कि कांवड़ मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में मीट, मांस, मछली की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने दुकान मालिकों और होटल संचालकों से आदेश का पूर्णतः पालन करने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, हापुड़ पुलिस यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही कई दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। खाद्य और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों कांवड़ियों की यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से पूरी हो सके।

अबोहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, स्कूल खाली कराए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह फाजिल्का जिले के अबोहर स्थित कई प्रमुख स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों को तत्काल खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, अजम्पसन कॉन्वेंट स्कूल, डीएवी स्कूल समेत कई शिक्षण संस्थानों को सुबह करीब 8:51 बजे ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 1:30 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और तत्काल छुट्टी घोषित कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सतर्क रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी पंजाब के जालंधर, अमृतसर, मोगा, मोहाली तथा चंडीगढ़ के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

अमृतपाल की रिहाई को लेकर प्रदर्शन हुआ तेज, मोहाली बॉर्डर पर पुलिस से झड़प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के घेराव का प्रयास किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई।

छात्रों पर बल प्रयोग कर सरकार ने गांधी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए बल प्रयोग की तीखी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों को कफन पहनाने का काम किया है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, पर चर्चा के दौरान डिंपल ने बीते 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का उल्लेख किया।

सपा सांसद डिंपल ने सवाल उठाया कि जब 2024 में इसतरह का कानून लाया गया था, तब भी प्रश्नपत्र लीक क्यों हुए? उन्होंने पेपर लीक को मोदी सरकार का षड्यंत्र या सिस्टम में परमानेंट लीकेज बताया। उन्होंने छात्रों के हौसले की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन का डटकर मुकाबला किया और अहंकारी सरकार के आगे झुकने से इंकार किया। डिंपल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी बेटियों के कपड़े फाड़े गए, उन पर पैलेट गन चली, बच्चों के सिर कील लगे डंडों से फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर पलटवार कर कहा कि यदि आपातकाल देखना था....तब सड़कों पर देखना चाहिए था, जब बच्चे खून बहा रहे थे। उन्होंने छात्रों को अराजक तत्व कहने वाले सांसदों की भी कड़ी आलोचना की।

वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधेयक को बिना मन से लाया गया बताकर कहा कि 2024 का कानून भी विफल रहा। उन्होंने त्वरित अदालत को भाजपा का नया जुमला करार देकर सुझाव दिया कि पेपर लीक होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कानून में पहली शर्त होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि 12 साल की भाजपा सरकार के बाद युवा पीढ़ी चौराहे पर है, और सरकार ने किसान व पहलवान आंदोलनों की तर्ज पर ही छात्र आंदोलन को दबाने के लिए अपने टूल किट का इस्तेमाल किया।

लोजपा (रामविलास) के अरूण भारती ने विधेयक का समर्थन कर पेपर लीक की सूचना देने वालों को संरक्षण और रद्द परीक्षाओं की जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के साथ-साथ पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन और छात्रों के साहस की सराहना कर लड़कियों पर हुई बर्बरता की निंदा की।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

-पोस्ट हटाने के साथ अकाउंट संचालकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और लॉगिन डिटेल देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एक्स को पत्र लिखकर संबंधित पोस्ट और वीडियो हटाने तथा उन्हें साझा करने वाले अकाउंट संचालकों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अकाउंट होल्डर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य पहचान संबंधी विवरण मांगे हैं। इसके अलावा संबंधित खातों की लॉगिन और लॉगआउट जानकारी, समय और तारीख का रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने एक्स से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पोस्ट और वीडियो से जुड़ी सभी जानकारियों को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी जांच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने उस वीडियो को दोबारा बहाल कर दिया। दिल्ली पुलिस अब सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री के स्रोत और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान करने की दिशा में जांच आगे बढ़ा रही है।

संजय निरूपम ने कहा- प्रोफेसर वी. कामाकोटी से मांफी मांगे प्रियंका

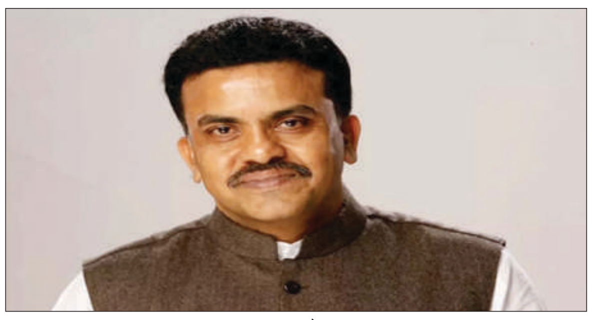

-संसद में टिप्पणी पर बढ़ा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित परीक्षा सुधार टास्क फोर्स को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी को टास्क फोर्स में शामिल किए जाने पर सवाल उठाने और उन्हें लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया है। प्रियंका गांधी के इस बयान की जहां सत्ता पक्ष ने तीखी निंदा की है, वहीं अब शिवसेना नेताओं ने भी उन्हें नसीहत देते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। संजय निरूपम ने आगे कहा कि भारतीय परंपराओं, आयुर्वेद और नेचरोपैथी पर शोध करने वाले विद्वानों का मजाक उड़ाना अनुचित है। उन्होंने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैज्ञानिकता की आड़ में भारतीय परंपराओं से नफरत करना सही नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियंका गांधी को एक महान शिक्षक और वैज्ञानिक का अपमान करने के लिए प्रोफेसर कामाकोटी से माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले मॉनसून सत्र के दौरान चर्चा में हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने नई कमेटी के गठन पर सवाल उठाए थे और टास्क फोर्स के सदस्यों की योग्यताओं पर टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा था कि देश के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक पर इस तरह की टिप्पणी करना दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी अपनी बातों से लोगों को गुमराह करने और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामियों को छिपाने का प्रयास करती हैं। वहीं, शिवसेना नेता संजय निरूपम ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर प्रोफेसर कामाकोटी की शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धियों का ब्योरा दिया। उन्होंने लिखा कि प्रोफेसर कामाकोटी आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं, आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स का नेतृत्व कर चुके हैं। वर्ष 2011 में आईआईटी की परीक्षाओं का सफल संचालन करने जैसी अनेक उपलब्धियां उनके नाम दर्ज हैं। इन्हीं योग्यताओं के आधार पर उन्हें नीट जैसी परीक्षाओं में सुधार और पारदर्शिता लाने वाली समिति में शामिल किया गया है।

देशभर में मानसून का कहर, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

--मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट, गुजरात की फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित

-उत्तराखंड में चारधाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मानसून अपने सबसे सक्रिय चरण में पहुंच गया है, जिससे कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले चार से छह दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से व्यापक वर्षा की संभावना बनी हुई है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अत्यधिक वर्षा की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित बाढ़ व जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की भी आशंका जताई गई है। भारी बारिश का असर औद्योगिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। गुजरात में लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र सहित आसपास स्थित कई ऑटो पार्ट्स सप्लायर इकाइयों में पानी भर गया, जिससे उत्पादन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। उद्योग जगत को आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की भी चिंता है।

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। यात्रा मार्गों पर मलबा आने और रास्ते अवरुद्ध होने के चलते प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं चंपावत, बागेश्वर और टिहरी जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को एहतियातन बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का दौर जारी रह सकता है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनईपी को नागपुर शिक्षा नीति, बिना चर्चा लागू करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 31 जनवरी, 2026 को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की छठी वर्षगाँठ पर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर नागपुर शिक्षा नीति बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण नीति को संसदीय चर्चा के बिना ही लागू किया गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि एनईपी 2020 पर संसद में कभी चर्चा नहीं की गई और न ही शिक्षा के केंद्रीय सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) से मंजूरी मिली। उन्होंने मोदी सरकार पर एनईपी के तहत प्रमुख नियामक निकायों और पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि आज एनईपी की नींव हिल गई है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जो पूर्व मंत्री इसके सबसे बड़े प्रचारक थे और जिन्होंने राज्य सरकारों पर लागू करने का दबाव डाला था, उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीएसई) का मामला भी संसद की एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, जो ठंडे बस्ते में पड़ा है, और एनडीए सहयोगियों के विरोध के कारण बीते तीन सप्ताह में दो बार इसकी बैठकें रद्द करनी पड़ी हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने मौजूदा नीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1986 में शुरू की गई नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन से की। उन्होंने ज़ोर दिया कि 1986 की नीति को अपनाने से पहले संसद में उस पर विस्तार से चर्चा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली, जिन्होंने सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई।

पेज एक का शेष

रांची में बनेंगे तीन नए....

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए और कार्यान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और ऊर्जा क्षेत्र के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट ग्रिड स्थापित होने से बिजली वितरण नेटवर्क अधिक सक्षम होगा, ऊर्जा हानि में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को आधुनिक और बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यह परियोजना राज्य की ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सभी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट निःशुल्क बिजली देने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी पात्र उपभोक्ताओं को 200 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना का लाभ प्रभावी और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्र लाभुकों की पहचान, योजना के क्रियान्वयन और लाभ वितरण की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि किसी भी पात्र उपभोक्ता को योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े।

उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी करने तथा योजना से संबंधित शिकायतों के त्वरित निष्पादन के भी निर्देश दिया।

सिकिदिरी पावर प्लांट के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सिकिदिरी जलविद्युत परियोजना की वर्तमान उत्पादन क्षमता, तकनीकी स्थिति एवं भविष्य की संभावनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्लांट में स्थापित पुरानी एवं नई मशीनों की कार्यक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन कर उनकी दक्षता का समग्र आकलन किया जाए, ताकि विद्युत उत्पादन को और अधिक प्रभावी एवं किफायती बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाते हुए सिकिदिरी पावर प्लांट के आधुनिकीकरण की दिशा में ठोस पहल की जानी चाहिए। इससे कम जल उपयोग के साथ अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्लांट में आधुनिक एवं ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग की संभावनाओं का अध्ययन कर विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में उपलब्ध जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर पैनल स्थापित करने तथा सरकारी एवं निजी भवनों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को सोलर पैनल स्थापित करने के लिए आवश्यक सब्सिडी एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, किसानों द्वारा उत्पादित सौर ऊर्जा की सरकारी खरीद के लिए प्रभावी एवं पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि उन्हें अपनी ऊर्जा का उचित लाभ मिल सके।

पेपर लीक रोकथाम के लिए कानून को सख्त....

अपनी सरकार में शिक्षा के क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1,293 हो गई है। उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या 51,534 से बढ़कर 64,896 तक पहुंची है। इसी अवधि में आदिवासी विद्यार्थियों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का विस्तार किया गया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। एम्स की संख्या 7 से बढ़ाकर 22 कर दी गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 844 हो गई है। एमबीबीएस सीटें लगभग 51,300 से बढ़कर 1.39 लाख तक पहुंच गई हैं, जबकि स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार का कहना है कि इन कदमों से देश में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्महत्या संवेदनशील विषय है और इनके आंकड़ों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हाल के वर्षों में पेपर लीक से जुड़े कारणों से होने वाली आत्महत्या की घटनाओं में कमी आई है। सरकार ने विश्वास व्यक्त किया कि नए और अधिक कठोर कानून से सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों का विश्वास मजबूत होगा।

आंदोलनरत छात्रों पर कार्रवाई के मुद्दे पर सिंह ने कहा कि पूरी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने अधिकतम संयम का परिचय दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि किसी प्रकार की जनहानि न हो। प्रशासन का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, न कि किसी को नुकसान पहुंचाना। उन्होंने इस बात का खंडन किया कि गृहमंत्री ने छात्र आंदोलन में गोली चलाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि हम स्वयं विधायक और सांसद रहे हैं तथा प्रशासनिक प्रक्रिया से परिचित हैं। गोली चलाने का आदेश कोई मंत्री नहीं देता। ऐसा आदेश देने का अधिकार कार्यपालक मजिस्ट्रेट, जैसे एसडीएम या डीएम के पास होता है। केवल भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अश्रु गैस का प्रयोग किया गया।

सिंह ने असम आंदोलन का उदाहरण देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि असम में 1969 से 1984 के बीच कांग्रेस की सरकार के दौरान ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के आंदोलन के दौरान लगभग 860 निर्दोष लोगों की मृत्यु हुई थी और इनमें अधिकांश छात्र थे।

उन्होंने कहा कि चर्चा के दौरान यह दावा किया गया कि 150 बार पेपर लीक हुए और उससे 750 करोड़ विद्यार्थी प्रभावित हुए। सरकार का कहना है कि ऐसे आंकड़ों को बिना प्रमाण के प्रस्तुत करना उचित नहीं है। तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर ही चर्चा होनी चाहिए।

डॉ. सिंह ने इस बात की आलोचना की कि नेता प्रतिपक्ष प्रधानमंत्री के आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कटाक्ष किया कि यह उनकी निराशा और हताशा है कि वे प्रधानमंत्री नहीं बन सके तो स्वयं प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए।

राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक...

वर्ष 1971 में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन के सम्मान को सुनिश्चित करने के प्रावधान किए गए थे। अब वंदे मातरम् के जानबूझकर किए गए अपमान को भी मौजूदा कानून के तहत दंडनीय बनाया जाएगा।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की रचना वर्ष 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1936 में जब जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष बने, तब उन्होंने वंदे मातरम् को केवल दो अंतरों तक सीमित किया। वहीं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए सुभाष चंद्र बोस ने तिमिर बरन बनर्जी से इस गीत का पूर्ण और गरिमापूर्ण संगीत संस्करण तैयार करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल के आग्रह पर ओंकारनाथ ठाकुर ने पूर्ण वंदे मातरम् प्रस्तुत किया था, जिससे देश के पहले स्वतंत्रता दिवस की शुरूआत हुई।

गृह राज्यमंत्री ने कहा कि 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक महत्व रखने वाले वंदे मातरम् को जन गण मन के समान सम्मान दिया जाएगा। इसके बाद राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ध्वनि मत से राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक को पारित करने की घोषणा की।

विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा में विशेष उल्लेख के तहत सदस्यों ने महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे उठाए। इसके बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

उल्लेखनीय है कि वंदे मातरम बिल (राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण संशोधन विधेयक-2026) राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के अपमान को अपराध घोषित करने और उसे जन गण मन (राष्ट्रगान) के समान कानूनी सुरक्षा प्रदान करने से संबंधित है। वंदे मातरम् के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या इसका अपमान करने पर 3 साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। इस संशोधन के जरिए 1971 के पुराने कानून के दायरे में राष्ट्रीय गीत को भी शामिल किया गया है, जिससे इसे राष्ट्रगान जैसी कानूनी सुरक्षा मिल गई है।

राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने मोतीनाथ धाम का निरीक्षण कर श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लिया

श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता : एसडीओ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । तालझारी प्रखंड क्षेत्र के महराजपुर स्थित बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना में श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर बुधवार को राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने मोतीनाथ धाम का निरीक्षण कर श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और बाबा मोतीनाथ धाम विकास समिति के पदाधिकारियों के साथ वार्ता किया। वहीं निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, ट्रैफिक और यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लिया। साथ ही उन्होंने अंचल, थाना, समिति व संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के कार्य करने का निर्देश दिया। वहीं एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मोतीनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को समय- सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा प्रत्येक व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने थाना प्रभारी को विधि-व्यवस्था और सुरक्षा-व्यवस्था की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मेला अवधि के दौरान पर्याप्त पुलिस बल व मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति कि जाएगी। साथ ही कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े इस पर प्रशासन का पुरा प्रयास रहेगा। मौके पर एसडीओ के अलावे सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद, थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर, उपाध्यक्ष साजन यादव, दीलीप यादव सहित मोतीझरना विकास समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

श्रावण मेले से पहले शिवगादी धाम का प्रशासनिक जायजा, सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं पर विशेष जोर

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । बरहेट प्रखंड स्थित प्रसिद्ध आस्था स्थल शिवगादी धाम में श्रावण मास के अवसर पर प्रारंभ होने वाले पवित्र मेले को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, साहेबगंज अमर जॉन आईन्द, प्रखंड विकास पदाधिकारी बरहेट अंशु कुमार पांडे एवं अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल व्यवस्था, शौचालय, विश्राम गृह, स्वच्छता, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मेला समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को

समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि श्रावणी मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मेला अवधि के दौरान निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिये। वहीं जिला प्रशासन श्रद्धालुओं से भी अपील करता है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से पूजा-अर्चना करें, किसी भी अपवाह पर ध्यान ना दें, किसी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत जिला प्रशासन को दें तथा मेले को सफल एवं सुरक्षित बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम पंचायत विकास योजना को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में बुधवार को ग्राम पंचायत विकास योजना को लेकर

पंचायत स्तरीय सहजकर्ता दल और जीपीएफटी से संबंधित दूसरे बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। इस दौरान प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह मास्टर ट्रेनर हारून रशीद एवं डोली साहा के द्वारा मुखिया, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, स्थायी समिति सदस्य एवं फन्टलाइन कार्यकर्ता को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बताया कि इसमें गांव की जरूरतों को पहचानना, ग्रामसभा की भूमिका, जरूरी योजनाओं का चयन, सरकारी योजनाओं को जोड़ना और उपलब्ध साधनों का सही उपयोग करने के बारे में बताया गया। वहीं प्रशिक्षकों ने आसान तरीके से समझाया कि योजना कैसे बनाई जाती है और उसे मंजूरी मिलने तक किन बातों का ध्यान रखना होता है। मौके पर प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन, पंचायत सचिव शिवराम मुर्मू, मोनिका मुर्मू, अब्दुस कुद्दूस, शशि कपूर दुबे, उदय कुमार मंडल, ओमप्रकाश साहा, ग्राम रोजगार सेवक माउद आलम, जावेद इकबाल, हफीजुर रहमान सहित अन्य मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में महर्षि वेदव्यास जयंती मनाई गई

तालझारी(बिभा) । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लालमाटी में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि वेदव्यास जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उपाध्याय तथा सभी आचार्य एवं दीदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। वहीं सामूहिक वंदना के बाद प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को महर्षि वेदव्यास के जीवन, उनके साहित्यिक एवं आध्यात्मिक योगदान तथा गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वेदव्यास भारतीय संस्कृति के महान ऋषि थे, जिनके योगदान से सनातन ज्ञान परंपरा समृद्ध हुई। इस अवसर पर विद्यालय में गुरु के प्रतीक भगवा ध्वज का विधिवत पूजन कर उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और गुरु के प्रति सम्मान एवं भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी आचार्य, दीदी जी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीआरपी व प्रधानाध्यापक ने स्कूली बच्चों के बीच वितरण किया स्कूल किट

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के उत्तर सरफराजगंज पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय सरफराजगंज में बुधवार को संकुल संसाधन सेवी बाबूलाल मंडल की उपस्थिति में स्कूली बच्चों के बीच स्कूल किट का वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार संकुल संसाधन सेवी बाबूलाल मंडल एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुमित्र कुमार दास ने दर्जनों स्कूली बच्चों के बीच स्कूल किट का वितरण किया। इस दौरान संकुल संसाधन सेवी बाबूलाल मंडल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। सरकारी स्कूल में मिलने वाली सभी सुविधाओं का लाभ उठाएं। प्रतिदिन समय से स्कूल आएं और पढ़ाई पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि स्कूल किट का उद्देश्य बच्चों की उपस्थिति बढ़ाना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुमित्र कुमार दास ने कहा कि स्कूल किट मिलने से गरीब बच्चों के अभिभावकों को काफी राहत मिलेगी। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। मौके पर सहायक अध्यापक ओमप्रकाश मंडल, प्रबंधन समिति अध्यक्ष पिंटू मंडल सहित अन्य मौजूद।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने पाकुड़-बरहरवा एनएच-133ए की मरम्मती को लेकर किया निरीक्षण

जर्जर सड़क की होगी मरम्मत, संकीर्ण स्थानों में बनेगा गार्डवाल : आलमगीर

बिभा संवाददाता

बरहरवा । साहेबगंज - पाकुड़ जिले का लाइफ लाइन कहे जाने वाली पाकुड़ बरहरवा एनएच 133 ए का मरम्मत होगा, जिसे लेकर के बुधवार को पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने पदाधिकारियों के साथ एनएच -133ए लिंक पथ का निरीक्षण किया। वहीं पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पाकुड़ - बरहरवा मुख्य पथ कई स्थानों पर जर्जर है। वहां पर जल जमाव हो जा रहा है इसके मरम्मती की अत्यंत आवश्यकता है। साथ ही केंचुआ पुल से भीमपाड़ा तथा श्रीकुंड से पलाशबोना तक संकीर्ण रास्ते में लोगों को आवागमन में

काफी परेशानी होती है। इसे लेकर यहां गार्डवाल बनाने का पहल किया जायेगा। कहा कि सड़क के मरम्मती के बाद पलाशबोना, कोटालपोखर, श्रीकुंड, बरहरवा के कुछ स्थानों पर जर्जर सड़क से मुक्ति मिलेगी तथा गार्डवाल बनने से संकीर्ण रास्ते में दोनों ओर से वाहनों का आवागमन सही तरीके से हो सकेगा व जाम से निजात मिलेगी। वहीं विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र डीपीआर बनाकर भेजने का निर्देश दिया गया है। साथ ही बताया कि इस सड़क का मेंटनेंस अभी खत्म हो गया है। इस कारण पूर्व के संवेदक से मरम्मती नहीं करायी जा सकती है। कहा नये सिरे से मरम्मती को लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कहा हमारी गठबंधन की सरकार झारखंड में सभी जर्जर सड़कों को दुरुस्त कर रही है तथा दुर्गम इलाकों में भी सड़क का जाल बिछा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की हर एक सड़क पर हमारी नजर है जो सड़क जर्जर है उसकी मरम्मत होगा। मौके पर एनएच के सहायक अभियंता राकेश भगत, कनीय अभियंता देव सोरेन, विक्टर बेसरा आदि मौजूद थे।

प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में लगा स्वास्थ्य शिविर

बिभा संवाददाता

राधानगर/उधवा । प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में बुधवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर लगाया गया। शिविर में विद्यार्थियों की 38 प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। सभी का हेल्थ कार्ड तैयार किया जा रहा है। इस कार्ड के माध्यम से भविष्य में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार की सुविधा का लाभ मिल सकेगा। जांच के दौरान एक छात्र में हृदय रोग (हार्ट डिजीज) के लक्षण पाए गए। जिसे विशेषज्ञ जांच एवं उपचार के लिए रेफर किया गया। शिविर में आंख, कान, दांत, एनीमिया, पोषण, जन्मजात विकार, मानसिक स्वास्थ्य सहित विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम, स्वास्थ्यकर्मी एवं विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दो क्लस्टरों की बैठक संपन्न, स्वास्थ्य योजनाओं की हुई समीक्षा

बिभा संवाददाता

तालझारी । आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में बुधवार को सगडभंगा एवं वृंदावन क्लस्टर की संयुक्त क्लस्टर बैठक का आयोजन सीएचओ एस्टर हेंब्रम की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में दोनों क्लस्टरों के विभिन्न गांवों से आईं सहिया एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। वहीं बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। सीएचओ एस्टर हेंब्रम ने सभी सहिया दीदियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का गर्भावस्था के 12 सप्ताह के भीतर पहला एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) सुनिश्चित कराया जाए तथा निर्धारित चारों आवश्यक जांच समय पर कराई जाए। उन्होंने गांवों में बाहर से आने वाले नए व्यक्तियों की निगरानी रखने और एक दिन से अधिक समय तक बुखार से पीड़ित व्यक्ति

की आरडीटी (रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट) जांच कराने का निर्देश दिया। जांच में किसी व्यक्ति के पॉजिटिव पाए जाने पर तत्काल दवा उपलब्ध कराने एवं संबंधित स्वास्थ्यकर्मी को इसकी सूचना देने पर भी जोर दिया गया। साथ ही बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और विभागीय निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। मौके पर सहिया साथी सजोनी मुर्मू, सहिया मोनिका टुडू, एएनएम तरेसा मुर्मू, संगीता कुमारी, सीएचओ एस्टर हेंब्रम तथा सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित दोनों क्लस्टरों की सभी सहिया दीदियां उपस्थित रहीं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा बैठक हुई संपन्न

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बनहर्दी, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएच75(39) के चौड़ीकरण), रजवार, नॉर्थ धाधू कोल माइनस (एनएमएल एनटीपीसी), तुबेद कोल माइनस (डीवीसी), रेलवे (आरओबी निर्माण), कोल ब्लॉक पीवीयूएनएल, चकला कोल ब्लॉक सहित अन्य परियोजनाओं के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने विभिन्न परियोजनाओं में अधिग्रहित किए गए जमीन के लंबित मुआवजे के भुगतान की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिया।

संत रविदास जयंती पर काशी से निकली पवित्र कलश यात्रा आज पहुंचेगी लातेहार

बिभा संवाददाता

लातेहार । संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में काशी (वाराणसी) से प्रारंभ हुई पवित्र कलश यात्रा गुरुवार को लातेहार पहुंचेगी। यात्रा के आगमन को लेकर जिले में व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस संबंध में सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व भाजपा विधायक हरिकृष्ण सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास ने समाज को समता, सामाजिक समरसता, मानव सेवा और भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज को नई दिशा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस कलश यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के जीवन, विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है। भाजपा जिलाध्यक्ष बंशी यादव ने बताया कि कलश यात्रा के

स्वागत को लेकर पार्टी के सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ तैयारियों में जुटे हैं। यात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और इसे ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी की गई है। उन्होंने जिलेवासियों से भी इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष पिंटू रजक ने बताया कि यह कलश वंदन यात्रा 30 अगस्त तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में पहुंचेगी। इसके बाद यह यात्रा मंडल और बूथ स्तर तक जाएगी। बूथ स्तर पर कलश की पवित्र मिट्टी से संत रविदास मंदिर अथवा अन्य धार्मिक स्थलों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संत रविदास के बताए मार्ग पर चलकर ही समरस, समानतामूलक और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। लातेहार में रात्रि विश्राम के बाद यह यात्रा रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के लिए रवाना होगी। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे, जिला मंत्री मुकेश पाण्डेय समेत कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समरसता के संदेश के साथ भाजपा का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू, 20 फरवरी 2027 तक चलेंगे विविध कार्यक्रम

संत रविदास के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा, 51 हजार मंदिरों में जलेंगे दीप : अनंत ओझा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । भारतीय जनता पार्टी संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650 वें जयंती वर्ष के अवसर पर 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' चलाएगी। अभियान के तहत सामाजिक समरसता, संत परंपरा और राष्ट्र निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसकी जानकारी बुधवार को स्वामी विवेकानंद चौक स्थित पूर्व विधायक कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राजमहल के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने कहा। साथ ही उन्होंने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास

केवल किसी एक समाज के संत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथप्रदर्शक थे। उनके विचार आज भी सामाजिक समानता और सद्भाव का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को देशभर के मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव से होगी, जिसमें 51 हजार से अधिक मंदिरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके बाद 10 सितंबर तक संत गुरु रविदास कलश वंदन अभियान के तहत उनकी जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी को 131 कलशों के माध्यम से देशभर के 21 हजार स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने बताया कि 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान चलाकर साधु-संतों और महात्माओं का सम्मान किया जाएगा। वहीं 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक श्री गुरु रविदास समरसता यात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक छात्रावास संपर्क अभियान के माध्यम से विभिन्न छात्रावासों में विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए प्रदेश और जिला स्तर पर चार-चार सदस्यीय तथा मंडल स्तर पर तीन सदस्यीय टोली का गठन किया गया है। सभी कार्यकर्ताओं को अभियान के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार, जिला अध्यक्ष गौतम यादव, संजीव पासवान सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अचेत अवस्था में मिला एक युवक, इलाज के दौरान मौत

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत कुसमा गांव में मंगलवार को एक 28 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में मिला। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के अमानत गांव निवासी अकीरुद्दीन शेख के पुत्र नजमुल शेख के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचकर युवक को आनन-फानन में इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि बुधवार की सुबह उक्त युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार मंगलवार की सुबह वह मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला था। दोपहर में सूचना मिली कि वह थाना क्षेत्र के कुसमा गांव में अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत पश्चिम बंगाल के मालदा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान बुधवार की अहले सुबह उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि जब उसे अचेत अवस्था में उठाया गया तो उसकी मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन मौके से गायब था। हालांकि अबतक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह अमानत से कुसमा गांव कैसे पहुंचा। उसकी हालत ऐसी कैसे हुई और उसका सामान का क्या हुआ। वहीं मृतक नजमुल शेख अमानत में सीएसपी संचालन करता था। वह स्वभाव से कुशल और मिलनसार माना जाता था। उसकी अचानक मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक की पत्नी छह माह का गर्भवती है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में राधानगर थाना में लिखित आवेदन नहीं दिया गया था। उधर, मृतक का शव का पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रहा है।

बाबा आम्रेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

खूँटी । गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को खूँटी जिले के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना एवं विशेष अनुष्ठान कर सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय वातावरण बना रहा। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर प्रबंधन की ओर से दर्शन एवं पूजा की सुचारू व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा का स्मरण करते हुए अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मिश्रा टोली स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने माता दुर्गा एवं अन्य

देवी-देवताओं की पूजा कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। लोगों ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु के प्रति आस्था और सम्मान व्यक्त किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा बुधवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज को गुरु मानकर उसका पूजन किया तथा भारत की सनातन गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि गुरु पूर्णिमा आत्मचिंतन, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का पर्व है। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने समाज सेवा एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

गायत्री परिवार की ओर से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिले में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान गायत्री महायज्ञ, सामूहिक प्रार्थना, गुरु वंदन एवं आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने गुरुजनों का स्मरण कर उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु ही व्यक्ति के जीवन को ज्ञान, संस्कार और सही दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

आज श्रावणी मेले का होगा उद्घाटन, अर्जुन मुंडा पहुँचेंगे आम्रेश्वर धाम

खूँटी । श्रावणी माह आज से शुरू हो गया है। वही बाबा आम्रेश्वर धाम में आज झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा विशेष तौर पर पहुँचेंगे। इस मौके पर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा । साथ ही, जहाँ श्रावणी पूरा का शुभारम्भ करेंगे। साथ ही, आम्रेश्वर धाम में लगनेवाले मेले का उद्घाटन भी करेंगे। श्रावणी माह की शुरूआत को लेकर बाबा आम्रेश्वर धाम तैयार है । और आज इसका शुभारम्भ होगा । जिसमें बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पवित्र श्रावणी माह आज से प्रारम्भ, बाबा आम्रेश्वर धाम में तैयारी पूरी

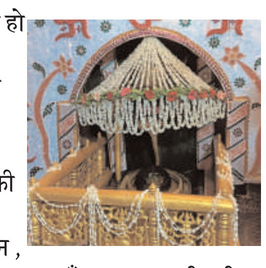

खूँटी । पवित्र श्रावणी माह आज से शुरू हो गया है। वहीं बाबा आम्रेश्वर धाम श्रद्धालुओं की सेवा सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार हो गयी है। जहाँ बोल-बम काँवर यात्रा के साथ भोलेनाथ की पूजा अर्चना करेंगे। जिसके लिए श्रद्धालुओं की सुलभ पूजा अर्चना कराने हेतु बाबा आम्रेश्वर धाम में साफ-सफाई, रंग-रोगन , जलकुण्ड, विद्युत व्यवस्था सहित सारी व्यवस्थाएँ दुरुस्त कर ली गयी है। श्रावण का स्वागत के लिए बाबा आम्रेश्वर धाम के गर्भ गृह को ताजे फूलों से सजा दिया गया है। चारों ओर लाईट से धाम परिसर जगमगा रहा है। प्रांगण की साफ सफाई के कारण बाबा आम्रेश्वर धाम परिसर आकर्षक लग रहा है । जहाँ श्रावणी पूजा की तैयारी को लेकर प्रशासन भी तत्पर है। वहीं बाबा आम्रेश्वर धाम भक्तों की सेवा के लिए पूरी तरह सजकर तैयार हो गया है। जहां स्वयंभू महादेव भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु जन बोल-बम करते हुए आते हैं। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने बताया कि बाबा आम्रेश्वर धाम में आनेवाले श्रद्धालुओं को श्रावणी पूजा अर्चना जलाभिषेक करने में सुविधा प्रदान की गयी है। सभी पंक्ति बद्ध होकर बाबा आम्रेश्वर भोलेनाथ के गर्भगृह में स्वयंभू महादेव की पूजा अर्चना करेंगे। जिसकी तैयारी कर ली गयी है।

बाबा आम्रेश्वर धाम के पुरोहितों को भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

खूँटी । गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा बाबा आम्रेश्वर धाम में पार्टी के दिशा निर्देश अनुसार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । इस दौरान बाबा आम्रेश्वर धाम के पुजारी पुरोहितों को सम्मानित किया गया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा सभी को अंगवस्त्र ओढ़ाकर उनको सम्मानित और अभिनन्दन किया गया। इसी क्रम में भाजपा कार्यकताओं ने बाबा आम्रेश्वर धाम के गर्भ गृह में आयोजित आरती में शामिल हुए। मौके पर, भाजपा कार्यकताओं ने झारखंड सहित पूरे देश के लिए विकास के लिए प्रार्थना किया। ये जानकारी बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने दी।

संक्षिप्त खबरें

विधिक सहायता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिले के 37 क्लीनिकों का निरीक्षण अभियान तेज

खूँटी(बिभा)। जिले में आम लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता की पहुँच को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) ने सभी 37 विधिक सेवा निदान केंद्रों का सघन निरीक्षण अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 जुलाई से झालसा के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। अभियान का नेतृत्व सचिव, डालसा एवं सिविल जज (वरीय प्रभाग) कमलेश बेहरा कर रहे हैं। बुधवार को तोरपा प्रखंड कार्यालय के विधिक सेवा निदान केन्द्रों के अलावा सुंदारी, जरिया, उकड़ीमारी और उरीकेल पंचायत भवनों में संचालित निदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अभिलेखों, आगंतुक पंजियों और आवेदनों की समीक्षा की गई तथा विधिक स्वयंसेवक से संवाद कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डालसा ने बताया कि प्रत्येक थाना में प्रतिनियुक्त पीएलवी भी जरूरतमंदों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं, जिनके कार्यों का भी मूल्यांकन किया जाएगा। आमजन को विधिक सहायता के लिए नजदीकी निदान केन्द्र, विधिक स्वयंसेवक अथवा विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय से संपर्क करने की अपील की गई है। यह जानकारी विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करके दिया गया ।

सिल्ली सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंदिर, लुपुंग महाबीर चौक में चलने वाला सावन उत्सव आज

सिल्ली(बिभा): सिल्ली सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंदिर, लुपुंग महाबीर चौक में चलने वाला सावन उत्सव गुरुवार 30 जुलाई से प्रारंभ होगा। आयोजन समिति की सचिव दीपा बड़ाइक ने बताया कि उत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।उन्होंने बताया कि पहले दिन महादेव बाबा के आगमन की पूजा, शिव गुरु चर्चा एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। दूसरे दिन से प्रतिदिन शिव गुरु चर्चा होगी। इसके अलावा सावन माह के प्रत्येक सोमवार को अपराह्न 4 बजे से शाम 6:30 बजे तक शिव गुरु चर्चा आयोजित की जाएगी।सावन उत्सव के अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को श्रद्धालुओं एवं शिव शिष्यों द्वारा शाम 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। समिति ने सिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

चाय की दुकान पर आया हार्ट अटैक, प्रभारी प्रधानाचार्य सतीश बड़ाइक का निधन

कुडू(बिभा)। थाना क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय, ओपा के प्रभारी प्रधानाचार्य एवं जिमा निवासी सतीश बड़ाइक (58) का बुधवार दोपहर हृदयाघात से निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से जिमा गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, सतीश बड़ाइक कुडू प्रखंड मुख्यालय के समीप एक चाय की दुकान में चाय पी रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक सीने में दर्द हुआ और वे बेहोश होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों, विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के लोगों में शोक व्याप्त हो गया। उनके निधन पर शिक्षकों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सतीश बड़ाइक अपने सरल स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए क्षेत्र में जाने जाते थे।

लोहरदगा मंडल जेल में विचाराधीन कैदी की संदिग्ध मौत,जांच शुरू

लोहरदगा(बिभा): लोहरदगा मंडल कारा में बंद 27 वर्षीय एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार युवक ने मंगलवार रात सामान्य रूप से भोजन किया और इसके बाद अपनी बैरक में सोने चला गया। बुधवार सुबह जब जेलकर्मी उसे जगाने पहुंचे तो उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।पास जाकर देखने पर वह अचेत अवस्था में मिला। तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जेल प्रशासन का कहना है कि प्रथम दृष्टया कैदी सुबह अचेत अवस्था में मिला था।हालांकि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई,इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।वहीं घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है।इस संदिग्ध मौत के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

बरसात में जानलेवा बनी गनालोया-घाघरा-बिचना सड़क, गड्ढों और जलजमाव से बढ़ा हादसों का खतरा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखंड के गनालोया-घाघरा-बिचना पथ की बदहाल स्थिति बरसात के मौसम में राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। गनालोया मोड़ से घाघरा तक सड़क जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। लगातार बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई राहगीर पहले ही हादसों का शिकार हो चुके हैं। जहाँ से रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं। जिला के हो या प्रखंड मुख्यालय। मुरहू प्रखण्ड उपप्रमुख अरुण साबू ने बताया कि विद्यार्थियों और किसानों या फिर दूरगामी राहगीर सभी इसी सड़क से होकर गुजरते है। अभी पवित्र श्रावण माह आनेवाला है। इसलिए ये कई गाँवों और क्षेत्रों के लिए नजदीकी मार्ग है। जहाँ बाबा आम्रेश्वर धाम जाने के लिए कई ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सावन में श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ेगी। इसलिए ग्रामीणों ने तत्काल मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि घाघरा और माहिल मोड़ के समीप सड़क पर जलजमाव की स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। पानी से ढकी टूटी सड़क पर दोपहिया वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, किसानों तथा पैदल चलने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क गनालोया से प्रखंड मुख्यालय मुरहू, जिला मुख्यालय खूँटी तथा आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन हजारों लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को हर सफर में दुर्घटना का भय सताता है। ग्रामीणों का कहना है कि 30 जुलाई से सावन माह शुरू होने वाला है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक स्थलों की ओर इसी मार्ग से गुजरेंगे। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से गनालोया-घाघरा-बिचना पथ की तत्काल मरम्मत कराने, गड्ढों को भरने तथा जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। गनालोया गांव के ग्रामीण राहगीर नरेश महतो ने बताया कि पूरा सड़क ही खराब हो गया है इससे आवागमन में दिक्कत ही नहीं वल्कि बहुत दिक्कत हो रही है। घाघरा गाँव के ग्रामीण टूना मुण्डा ने बताया कि कई बार यहां दुर्घटना हो चुकी है। और आए दिन इस सड़क में दुर्घटना होती रहती है। गणेश साहू ने बताया कि काफी संख्या में इस सड़क से राहगीर आवागमन करते हैं। चाहे वह तोरपा हो खूँटी हो या फिर मुरहू प्रखंड मुख्यालय। यही भर नहीं बल्कि विद्यार्थियों को भी और विभिन्न बाजार के लिए भी लोग इसी सड़क का उपयोग करते हैं। प्रचित महतो ने बताया कि लगभग दो वर्ष से अधिक हो गया जिसे ग्रामीणों को आवागमन में काफी कुछ नहीं हो रही है बरसात में तो ज्यादा इसलिए होता है कि पानी के कारण से गड्ढे का गहराई का पता नहीं चल पाता है। राहगीर आटो चालक ने बताया कि पहले यह सड़क ठीक था लेकिन बाद गाड़ी चलाकर खराब कर दिया अभी आवागमन में देर भी हो जाती है। और समस्या भी काफी होती है। वहीं लोगों ने सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं ताकि आवागमन में दुर्घटना से निजात मिल सके और मार्ग सुलभ हो सके।

बकरी चोरी मामले में मॉब लिंचिंग से हुई एक की मौत के बाद पुलिस ने किया सात आरोपियों को गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत बिंदादीरी गांव में बकरी चोरी करने आये चार लोगों में ग्रामीणों की पिटाई से एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी। और एक व्यक्ति घायल हो गया था। इस मॉब लिंचिंग से हुई एक की मौत के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके उपर कई गैर जमानती धारा लगाते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने छापामारी के दौरान अनेक ग्रामीणों को पकड़ा था जिसके बाद अनुसंधान करते हुए पड़ताल किया और बिंदादीरी निवासी सभी पंडा बोदरा (55), मंगरा बोदरा (35), मुकुट बोदरा (22 वर्ष), कालेप बोदरा (23 वर्ष), मनोज बोदरा (27 वर्ष), नन्दराम हंस (18 वर्ष) और एक रुमजुई गांव के सोमा बोदरा (20 वर्ष) को पुलिस ने गिरफ्तार की है। डीएसपी मंगल सिंह जामूदा ने बताया कि बकरी चोरी करने गये लोगों की पिटाई से मौत हुई थी । जोकि एक मॉब लिंचिंग का मामला हुआ था। जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीम का नेतृत्व एसडीपीओ मंगल सिंह जामूदा ने की, जबकि टीम में पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, मुरहू थाना प्रभारी नायल गोडवीन केरकेट्टा, पुलिस अवर निरीक्षक टिनु कुमार, अमरजीत सिंकु, मुकेश कुमार यादव सहित थाना सशस्त्र बल एवं एसडीपीओ क्यूआरटी की टीम शामिल थी।

मुरहू के अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास 2020 में बनकर तैयार लेकिन आज तक नहीं हुआ शुरू, जर्जर होने लगा भवन

बिभा संवाददाता

खूँटी। मुरहू प्रखंड स्थित लक्ष्मी नारायण प्लस टू विद्यालय परिसर में करोड़ों रुपये की लागत से वर्ष 2020 में निर्मित अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास आज तक चालू नहीं हो सका है। निर्माण के छह वर्ष बाद भी भवन के मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ है। लंबे समय से उपयोग नहीं होने के कारण भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। दीवारों में दरारें पड़ने लगी हैं तथा कई स्थानों पर पेड़-पौधे उग आए हैं, जिससे भवन जर्जर होता दिख रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुरहू एवं आसपास के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक छात्राएं पढ़ाई के लिए मुरहू और खूँटी आती हैं। छात्रावास शुरू नहीं होने से उन्हें किराये के मकानों या अन्य अस्थायी व्यवस्था में रहकर शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है। कोरोना काल के दौरान इस भवन का कुछ समय तक क्वारंटीन सेंटर के रूप में उपयोग किया गया था, लेकिन उसके बाद से यह पूरी तरह बंद पड़ा है।

मुरहू प्रखंड के उपप्रमुख अरुण साबू ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार किया गया छात्रावास बेकार पड़ा है, जिससे सरकारी योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। उन्होंने मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि छात्रावास चालू होता तो ग्रामीण क्षेत्रों की अल्पसंख्यक छात्राओं को सुरक्षित आवास की सुविधा मिलती और उनकी उच्च शिक्षा का मार्ग भी अधिक सुगम हो जाता।

श्रावणी मेला को लेकर मुरी रेलवे स्टेशन का जीआरपी एसपी ने किया निरीक्षण, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

मुरी: राजकीय रेल पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार ने श्रावणी मेला को देखते हुए बुधवार के दिन मुरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को भीड़ पर नियंत्रण करना, स्टेशन परिसर में प्रवेश और निकास द्वार की समुचित व्यवस्था करना,कांवरियों की ठहरने की व्यवस्था पर जोर देते हुए कई अन्य महत्वपूर्ण बातों को बताया साथ ही यात्रियों एवं कांवरियों की पॉकेटमारी ना हो इसके लिए भी कई दिशा निर्देश दिये। स्टेशन पर कंट्रोल रूम के सहारे रोगियों को चिकित्सा उपलब्ध कराना,ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों का मोबाइल नंबर को स्टेशन परिसर में उपलब्ध कराने को लेकर,सीसीटीवी कैमरे के सहारे चप्पे-चप्पे पर विशेष नजर रखने,कांवड़ियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने का उद्देश्य से सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था करने के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उन्होंने अपील किया कि पुलिस पूरा सेवा भाव से चुस्ती दुरुस्ती तथा बिना लापरवाही किये अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे अन्यथा किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर चिकित्सा विभाग के सहायक मंडल चिकित्सा अधीक्षक जे कच्छप,राजकीय रेल थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह,रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट कमांडर संजीव कुमार एवं स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

भू-राजस्व, दाखिल-खारिज,भूमि सीमांकन, सक्सेशन म्यूटेशन समय सीमा के अंदर करना सुनिश्चित करें, लापरवाही पर करवाई होगी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक का अयोजन किया गया।बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने वार्षिक लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करें। उन्होंने आंतरिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से राजस्व वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिले के नगर पंचायत क्षेत्र एवं अंचलों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक किए गए राजस्व संग्रहण की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी पदाधिकारियों को वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य के शेष लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आपसी समन्वय स्थापित कर राजस्व संग्रह के शेष लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त के द्वारा, भु-लगान, निबंधन, दाखिल-खारीज, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, भूमि-सीमांकन की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने समीक्षा के क्रम में लंबे समय से अंचल में लंबित पार्टीशन म्यूटेशन मामलों को लेकर संबंधित अंचल अंचालाधिकारियों को मामलों के समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया गया लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देशित किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने दायित्वों का पालन नहीं करता है तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का ससमय प्रभावी समाधान हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।बैठक में अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, डीएलओ प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडांड़ सुलेमान मुण्डरी, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, संबंधित पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

लातेहार पुलिस ने देर रात तक चलाया सर्च अभियान

बिभा संवाददाता

लातेहार। लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर मंगलवार देर रात अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संदीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में लातेहार थाना क्षेत्र में व्यापक सर्च एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में लातेहार थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा सहित पुलिस बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने विभिन्न इलाकों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर सघन तलाशी और जांच अभियान चलाया।इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, चोर गिरोह के सदस्यों तथा अफीम और ड्रग्स के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस ने देर रात तक चौक-चौराहों पर वाहन जांच, दुकानों का निरीक्षण और आने-जाने वाले लोगों की पहचान की जांच की।एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने दुकानदारों को देर रात तक दुकान बंद करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय के बाद कोई भी दुकान खुली मिलने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में अपराध नियंत्रण, चोरी की घटनाओं पर रोक और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना : भारत में शैक्षिक समावेशिता को बढ़ावा देना

बिहान भारत

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक तंगी का सामना कर रहे मेधावी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को सुलभ बनाना है। यह योजना ऐसे छात्रों को देश के शीर्ष रैंक वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिए बिना किसी जमानत (कोलैटरल-फ्री) और बिना किसी गारंटर के शिक्षा ऋण प्रदान करती है। यह पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज छूट के माध्यम से लाभार्थियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है, जिससे उच्च शिक्षा हासिल करने में आने वाली आर्थिक तंगी कम होती हैं। इस तरह, यह योजना भारत को सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) की दिशा में प्रगति करने में योगदान देती है। एसडीजी 4 का उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है।

उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधाओं को दूर करना

पिछले एक दशक के दौरान भारत में उच्च शिक्षा में दाखिले तेजी से बढ़े हैं। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014-15 में जहां 23.7% था वह 2023-24 में बढ़कर 30.0% हो गया। हालांकि, कई मेधावी छात्रों के लिए आर्थिक तंगी की वजह से देश के शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा पाना अभी भी मुश्किल भरा रहा है। कई छात्र शिक्षा ऋण के माध्यम से इस आर्थिक तंगी को पूरा करने का प्रयास करते हैं, लेकिन ऐसे कई और छात्र हैं जो इन ऋणों पर लगने वाली ऊंची ब्याज दरों को वहन नहीं कर सकते। इसके कारण अपनी योग्यता के बावजूद इन छात्रों का आईआईटी, आईआईएम और देश के कई अन्य शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में पढ़ाई करने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसे छात्रों की सहायता के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 नवंबर, 2024 को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी थी। यह एक मिशन-मोड पहल है, जिसके तहत देश के चुनिंदा बेहतरीन उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को 3% ब्याज सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। इन शिक्षा ऋणों को प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी, छात्र-अनुकूल और पूरी तरह डिजिटल है। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं, ब्याज सब्सिडी का दावा कर सकते हैं और अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं।

यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 से प्रेरित है, जो सिफारिश करती है कि सार्वजनिक और निजी दोनों उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) में अध्ययन के लिए मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण कोई भी मेधावी छात्र देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ने से वंचित न रहे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है।

विशेषताएं, लाभ और कवरेज

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत देश के नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे।

बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 7.5 लाख तक के ऋण पर 75% क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3% ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय 4.5 लाख तक है।

बिना जमानत और बिना गारंटर के शिक्षा ऋण

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत पात्र गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) में प्रवेश पाने वाले छात्र बिना किसी जमानत या तीसरे पक्ष की गारंटी के बिना भी शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा ऋण की अधिकतम राशि पर कोई निश्चित सीमा नहीं है। यह राशि उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित कोर्स फीस और अन्य शुल्क (जैसे मेस, हॉस्टल फीस, QHएककी अन्य रिफंडेबल और नॉन-रिफंडेबल फीस, एक उचित गुणवत्ता वाले लैपटॉप की लागत और पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छात्र द्वारा आवश्यक रहने का उचित खर्च)आदि पर निर्भर करेगी। सभी आय वर्गों के छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

ऋण देने वाली संस्थाओं को छात्रों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार 7.5 लाख रुपये तक के ऋण पर 75% क्रेडिट गारंटी प्रदान करती है। इससे ऋणदाताओं का जोखिम काफी कम होता है और छात्रों के लिए शिक्षा ऋण प्राप्त करना आसान होता है। योजना के तहत शिक्षा ऋण पर ली जाने वाली ब्याज दर संबंधित बैंक की एक्सटर्नली बेंचमार्क्ड लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) + 0.5% तक सीमित होगी। यह दर हमेशा बैंक द्वारा पीएम-विद्यालक्ष्मी के दायरे से बाहर दिए जाने वाले अन्य शिक्षा ऋणों पर लागू ब्याज दर से कम होगी। शिक्षा ऋण की अधिकतम पुनर्भुगतान अवधि 15 वर्ष तक होगी। इसमें पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष की मोराटोरियम अवधि शामिल नहीं होगी। यह ऋण भारत में संचालित सभी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध है और ऐसे ऋण प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या की कोई सीमा नहीं है। योजना के तहत शिक्षा ऋण अनुसूचित बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबीएस) और इसमें भाग लेने वाले सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

ब्याज पर छूट

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना, पीएम-यूएसपी सीएसआईएस (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना) की पूरक है। पीएम-यूएसपी सीएसआईएस के तहत, के तहत एनएएसी से मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि के दौरान 100% ब्याज सब्सिडी मिलती है।

इसके अतिरिक्त, पीएम-विद्यालक्ष्मी की ब्याज सब्सिडी योजना का दायरा व्यापक है और इसमें नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) के सभी पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस योजना के तहत 8 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले मेधावी छात्रों को 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष) के दौरान 3% ब्याज सब्सिडी दी जाती है।

यदि शिक्षा ऋण की राशि 10 लाख रुपये से अधिक है, तो ब्याज सब्सिडी केवल 10 लाख रुपये तक की वितरित कुल मूलधन राशि पर ही प्रदान की जाएगी।

जो छात्र केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य छात्रवृत्ति, ब्याज सब्सिडी योजना या शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ ले रहे हैं, वे सीएसआईएस या पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत ब्याज सब्सिडी का लाभ लेने के पात्र नहीं होंगे।

एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख छात्र मोराटोरियम अवधि के दौरान 3% ब्याज सब्सिडी के लिए पात्र होंगे। हालांकि, सीएसआईएस लाभार्थियों के लिए ऐसी कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है। यह योजना बैंक की एक्सटर्नली बेंचमार्क आधारित ऋण दर (ईबीएलआर) + 0.5% तक सीमित ब्याज दरों के साथ किफायती शिक्षा ऋण उपलब्ध कराती है। इसके अतिरिक्त, यदि अध्ययन अवधि और मोरेटोरियम अवधि के दौरान ब्याज का नियमित भुगतान किया जाता है, तो बैंक ऋण लेने वालों को 1% तक अतिरिक्त ब्याज रियायत दे सकते हैं। योजना के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80ई के अंतर्गत चुकाए गए ब्याज पर कर लाभ भी मिलता है।

ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी का लाभ स्नातक, स्नातकोत्तर या एकीकृत पाठ्यक्रमों में से किसी एक के लिए केवल एक बार उपलब्ध है। सरकार ने इस योजना के लिए 2024-25 से 2030-31 तक ?3,600 करोड़ का बजट आवंटित किया है। सात वर्षों की अवधि में 7 लाख नए छात्रों को इस ब्याज सब्सिडी का लाभ मिलने की उम्मीद है।

छात्रों के लिए पात्रता मानदंड

यह योजना उन छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिन्होंने भारत के निर्धारित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (QHEIs) में से किसी में प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया है।

योजना के तहत सभी डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध है। शिक्षा ऋण की पुनर्भुगतान अवधि मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम अवधि + 1 वर्ष) को छोड़कर अधिकतम 15 वर्ष तक होगी।

इन सभी लाभों का लाभ उठाने के लिए छात्रों को आधार के माध्यम से पंजीकरण करना, अपने पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराना और संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना आवश्यक है।

संलग्न शर्तें

आवेदक को पाठ्यक्रम बीच में नहीं छोड़ना चाहिए और न ही अनुशासनात्मक या शैक्षणिक कारणों से संस्थान से निष्कासित किया गया होना चाहिए।

दूसरे वर्ष से आगे ब्याज सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए छात्र को संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना होगा।

छात्र ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी का लाभ केवल एक बार ले सकता है, चाहे वह स्नातक, स्नातकोत्तर या एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए हो।

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पात्रता मानदंडः

संस्थानों को सूचीबद्ध करने के मानदंड उनके एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। वर्तमान में इसमें जो संस्थान शामिल हैं वो हैं-

शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एनआईआरएफ की नवीनतम सूची में समग्र/श्रेणी-विशिष्ट और/या विषय-विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 स्थान प्राप्त करने वाले उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एनआईआरएफ की नवीनतम सूची में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के अधीन शीर्ष 200 रैंक वाले उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) हैं।

भारत सरकार के अधीन आने वाले अन्य सभी उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) शामिल हैं।

विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के भारतीय परिसरों, भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के विदेशी परिसरों और विदेशी शैक्षणिक संस्थानों को इस योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है।

पूरे भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) का चयन करने का मानदंड राज्यों के बीच समान और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

यह सूची नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर अपडेट की जाती है।

वर्तमान में 1,425 संस्थान पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत शामिल हैं और ये संस्थान पीएम-विद्यालक्ष्मी शिक्षा ऋण के लिए पात्र हैं।

लाभ प्राप्त करने के चरण

पीएम-विद्यालक्ष्मी का उद्देश्य छात्रों को उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षा ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करके उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाना है। यह योजना छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने, अपने आवेदन को ट्रैक करने तथा समय पर स्वीकृति और ऋण वितरण प्राप्त करने की सुविधा देकर ऋण प्रक्रिया को सरल बनाती है।

यह योजना एक समर्पित योजना पोर्टल के माध्यम से संचालित होती है, जो निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:

सामान्य ऋण आवेदन

बैंक का चयन

आवेदन की स्थिति को ट्रैक करना

ब्याज सब्सिडी के लिए अनुरोध

डिजिटल प्रक्रिया और पारदर्शिता

पीएम विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपे ऐप (सीबीडीसी वॉलेट)

एक बार ऋण स्वीकृत और वितरित हो जाने के बाद, पात्र छात्र अपनी पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं। सब्सिडी की राशि लाभार्थी के 'पीएम-विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपया ऐप' (सीबीडीसी वॉलेट) में जमा की जाती है और बाद में इसे शिक्षा ऋण खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना (सीएसआईएस) के तहत भारत में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए लिए गए शिक्षा ऋण पर स्थगन अवधि (मोरेटोरियम पीरियड) के दौरान पूरी ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। जिन छात्रों के माता-पिता/परिवार की वार्षिक सकल आय 4.5 लाख तक है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं।

मौजूदा पीएम-यूएसपी सीएसआईएस योजना का संचालन PM-विद्यालक्ष्मी पोर्टल और पीएम-विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपे वॉलेट के माध्यम से किया जा रहा है। 22 जुलाई 2026 तक, 35,777 सक्रिय वॉलेट हैं, जिनके माध्यम से ?57.66 करोड़ की सब्सिडी का वितरण संभव हो रहा है। इस डिजिटल व्यवस्था ने लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, देरी कम करने और यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि वित्तीय सहायता पात्र छात्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, 2024-25 से संबंधित कुल 4,14,844 दावे केनरा बैंक को प्राप्त हुए हैं, जिनकी कुल राशि 892.81 करोड़ है। इससे छात्र लाभार्थियों पर शिक्षा ऋण के पुनर्भुगतान का बोझ काफी कम होगा। पोर्टल छात्रों को अपनी शिकायतें दर्ज करने और उनकी स्थिति पर नजर रखने की सुविधा भी प्रदान करता है। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शिकायतों एवं विवादों का समय पर समाधान करने में मदद मिलती है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना का प्रभाव

पीएम-विद्यालक्ष्मी एक एकीकृत, पूर्णतः डिजिटल एवं पारदर्शी शिक्षा ऋण सुविधा मंच है। यह विद्यार्थियों को एक ही पोर्टल के माध्यम से पीएम-विद्यालक्ष्मी ऋण सहित सभी प्रकार के शिक्षा ऋणों के लिए बैंकों में आवेदन करने तथा अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है। इसका डैशबोर्ड आवेदनों, स्वीकृतियों और प्रसंस्करण चरणों पर वास्तविक समय के आंकड़े प्रदान करता है।

वित्त वर्ष 2025-26 में, सभी स्कीमों के तहत शिक्षा ऋण के लिए 6,45,514 आवेदन पोर्टल पर प्राप्त हुए । इनमें से 110667 आवेदन पीएम-विद्यालक्ष्मी के थे ।

वित्त वर्ष 2025-26 में ढट-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा ऋण के लिए 1,10,667 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 70,852 ऋण मंजूर किए गए और 67,728 ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

लैंगिक समावेश

पीएम-विद्यालक्ष्मी यह सुनिश्चित करती है कि सभी पात्र मेधावी छात्रों को उनके लिंग (gender) की परवाह किए बिना उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता तक पहुँच प्राप्त हो। महिलाएं और ट्रांसजेंडर छात्र भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा अधिक समावेशी और सुलभ बन रही है। वित्तीय बाधाओं को कम करके यह योजना छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने, अपने कौशल में सुधार करने और बेहतर करियर संभावनाएं बनाने में मदद करती है। इससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और कार्यबल में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है, जो अधिक समावेशी सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान देता है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी लैंगिक समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देती है और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाती है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी बेहतर शैक्षिक परिणाम, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन तथा अधिक विविध, कुशल और सशक्त कार्यबल के विकास में योगदान देती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, 368742 पुरुषों और 276764 महिलाओं ने लोन के लिए आवेदन किया। पुरुषों के लिए 203438 लोन मंजूर हुए और महिलाओं के लिए 158629 लोन।

वंचित छात्रों को सशक्त बनाना

यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने में मदद करती है, जिससे समग्र समावेशिता को बढ़ावा मिलता है।

कुल जमा किए गए आवेदनों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), सामान्य वर्ग, नॉन-क्रीमी लेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (NCOBC), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और दिव्यांगजन (PwD) वर्ग के छात्र शामिल रहे हैं। सभी प्रमुख सामाजिक समूहों के आवेदकों की भागीदारी योजना की व्यापक पहुंच और समावेशी स्वरूप को दशार्ती है। यह विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच वित्तीय रूकावटों को कम करने तथा शैक्षिक अवसरों तक निष्पक्ष और समान पहुंच को बढ़ावा देने में योजना के योगदान को रेखांकित करता है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजनाः शैक्षिक समानता की दिशा में एक कदम

पीएम-विद्यालक्ष्मी मेधावी छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराकर तथा पात्र परिवारों के लिए लक्षित ब्याज सब्सिडी प्रदान करके उच्च शिक्षा तक समान पहुंच के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्तीय बाधाओं को कम करके यह योजना गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाती है, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए। इस प्रकार, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है, समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 की प्राप्ति में योगदान देती है तथा देश के लिए कुशल और भविष्य के लिए तैयार मानव पूंजी के विकास को समर्थन प्रदान करती है।

भारतीय रेलवे में 2014 के बाद 5.56 लाख लोगों को मिली नौकरी, 2024-25 में 4.5 करोड़ अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा : अश्विनी वैष्णव

बिहान भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मिशन मोड में भर्ती अभियान चलाकर अपने कार्यबल को लगातार मजबूत किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2014 से 30 जून 2026 तक भारतीय रेलवे में 5.56 लाख लोगों की भर्ती की जा चुकी है, जिनमें दक्षिण रेलवे में 50,485 नियुक्तियां शामिल हैं। इसके मुकाबले 2004-05 से 2013-14 के बीच रेलवे में 4.11 लाख भर्तियां हुई थी।

रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। रेलवे के विशाल नेटवर्क, बदलती तकनीक, आधुनिकीकरण और परिचालन संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नई भर्तियां की जाती हैं। आवश्यकतानुसार रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाती है।

उन्होंने कहा कि रेलवे भर्ती परीक्षाएं बड़े स्तर पर आयोजित की जाती हैं, जिनमें भारी संख्या में संसाधनों और वर्कफोर्स की आवश्यकता होती है। इसके बावजूद रेलवे ने सभी निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक आयोजित की हैं।

रेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 से ग्रुप 'सी' के विभिन्न पदों के लिए वार्षिक भर्ती कैलेंडर लागू किया है, जिससे अभ्यर्थियों को हर साल नियमित भर्ती का अवसर मिल रहा है। इसके अलावा, परीक्षाओं की निश्चित समय सारिणी, भर्ती प्रक्रिया में तेजी, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में भी गति आई है।

वर्तमान में वार्षिक भर्ती कैलेंडर 202 2024, 2025 और 2026 के तहत भारतीय रेलवे में 1,61,889 गैर-राजपत्रित पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इनमें दक्षिण रेलवे के 11,387 पद भी शामिल हैं।

रेल मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान 10 केंद्रीय रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) जारी की गई, जिनके माध्यम से 92,116 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई। इनमें सहायक लोको पायलट (एएलपी), तकनीशियन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो मैटेरियल सुपरिंटेंडेंट (डीएमएस), केमिकल एवं मेटलर्जिकल असिस्टेंट (सीएमए), पैरामेडिकल, नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट और अंडरग्रेजुएट), मिनिस्ट्रियल एवं आइसोलेटेड कैटेगरी तथा लेवल-1 के पद शामिल थे।

इन सभी 92,116 पदों के लिए प्रथम चरण अथवा एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी हो चुकी है। इसके अलावा एएलपी और एनटीपीसी (ग्रेजुएट) के लिए कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (सीबीएटी) तथा एनटीपीसी और मिनिस्ट्रियल श्रेणी के लिए स्किल टेस्ट भी सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं।

रेल मंत्री ने बताया कि 2026-27 (30 जून 2026 तक) विभिन्न पदों जैसे तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरामेडिकल, मिनिस्ट्रियल एवं आइसोलेटेड कैटेगरी तथा सहायक लोको पायलट के लिए 3,300 से अधिक उम्मीदवारों के चयन पैनल अंतिम रूप दिए जा चुके हैं। इनमें अधिकांश पद रेलवे की सुरक्षा से जुड़े हैं।

वार्षिक भर्ती कैलेंडर 2025 के तहत रेलवे ने 9 केंद्रीय रोजगार अधिसूचनाएं जारी कर 51,970 रिक्तियों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इनमें दक्षिण रेलवे के 3,412 पद शामिल हैं।

इनमें से 29,775 पदों के लिए प्रथम चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा पूरी हो चुकी है। वहीं, जूनियर इंजीनियर (जेई), डीएमएस, सीएमए और एनटीपीसी (ग्रेजुएट) के लिए दूसरे चरण की सीबीटी भी आयोजित की जा चुकी है। इसके अलावा सेक्शन कंट्रोलर के 368 पदों के लिए कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (सीबीएटी) भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसमें 2,989 उम्मीदवारों ने 24 शहरों में दो भाषाओं में परीक्षा दी।

रेल मंत्रालय ने बताया कि वार्षिक भर्ती कैलेंडर 2026 के तहत अब तक 3 केंद्रीय रोजगार अधिसूचनाएं जारी की गई हैं, जिनके माध्यम से 17,803 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें दक्षिण रेलवे के 1,048 पद भी शामिल हैं।'

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2024 और 2025 के भर्ती चक्र के दौरान आयोजित विभिन्न कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) में करीब 4.5 करोड़ अभ्यर्थियों ने भाग लिया। ये परीक्षाएं देश के 150 से अधिक शहरों में 15 भारतीय भाषाओं में आयोजित की गई, ताकि देशभर के युवाओं को अपनी भाषा में परीक्षा देने का अवसर मिल सके और भर्ती प्रक्रिया अधिक सुगम एवं समावेशी बन सके।

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव का वैदिक मंत्रोच्चारण से शुभारंभ

बिभा संवाददाता

दुमका। बासुकीनाथ धाम में बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा बासुकीनाथ धाम गूंज उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त संजय कुमार, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार, सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मेला महोत्सव का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का महापर्व है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालु बाबा बासुकीनाथ के दर्शन एवं जलार्पण के बाद अपने साथ एक सुखद और बेहतर अनुभव लेकर अपने घर लौटें, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि देवघर में बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलार्पण के बाद बाबा बासुकीनाथ के दरबार में जलार्पण के बाद ही श्रद्धालुओं की यात्रा पूर्ण मानी जाती है। आयुक्त ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय से पहले अपने ड्यूटी स्थल को नहीं छोड़ें। जब तक उनके स्थान पर सहयोगी कर्मी नहीं पहुंच जाते, तब तक अपने कर्तव्य स्थल पर पूरी जिम्मेदारी एवं तत्परता के साथ उपस्थित रहें।

वहीं उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुरूप राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम जलार्पण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। जिला प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि बाबा बासुकीनाथ के दरबार में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं सुखद वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगभग 3000 पुलिस बल एवं लगभग 700 मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लगभग 150 चिकित्सकों की तैनाती, 20 एंबुलेंस की व्यवस्था तथा टोटो एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगभग 200 स्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त लगभग 20,000 वाहनों की पार्किंग क्षमता की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

उपायुक्त ने कहा कि शिवगंगा में वाटर फिल्ट्रेशन प्लांट की व्यवस्था की गई है जो सिर्फ श्रावणी मेला ही नहीं पूरे वर्ष कार्यरत रहेगा। श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर जलापूर्ति केंद्र बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए टेंट सिटी की व्यवस्था की गई है, जिसकी क्षमता लगभग 5000 श्रद्धालुओं की है। टेंट सिटी में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एवं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए डिस्पोजेबल बेडशीट की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सहित आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के लिए खोया-पाया केंद्र को सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाया गया है, ताकि किसी भी श्रद्धालु के बिछड़ने की स्थिति में उन्हें शीघ्र उनके परिजनों से मिलाया जा सके। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी और एआई आधारित निगरानी प्रणाली की भी व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से मेला क्षेत्र की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखी जाएगी। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात रहेगा। हमारा प्रयास होगा कि प्रत्येक श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में बाबा बासुकीनाथ का दर्शन एवं जलार्पण कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

श्रावणी मेला के लिए अशोकधाम स्टेशन पर देवघर-पटना-देवघर मेमू का अस्थायी ठहराव आज से

आसनसोल(बिभा): श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 30.07.2026 से 28.08.2026 तक पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के अशोकधाम स्टेशन पर 63209/63210 देवघर - पटना - देवघर मेमू का अस्थायी ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। 63209 देवघर-पटना मेमू और 63210 पटना-देवघर मेमू 10:12 बजे एवं 13:43 बजे अशोकधाम स्टेशन पहुंचेगी। उक्त ट्रेन अपने मार्ग में दोनों दिशाओं में 02 मिनट का ठहराव प्रदान करेगी।

आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल का मनकथा और बड़हिया स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

आसनसोल(बिभा): श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने तत्काल प्रभाव से पूर्व मध्य रेलवे के मनकथा और बड़हिया स्टेशनों पर 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल का अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। 03527 आसनसोल-गोरखपुर श्रावणी मेला स्पेशल मनकथा और बड़हिया स्टेशनों पर क्रमशः 01:26 बजे और 01:38 बजे पहुंचेगी तथा 03528 गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल बड़हिया और मनकथा स्टेशनों पर क्रमशः 01:20 बजे और 01:31 बजे पहुंचेगी। उक्त दोनों ट्रेनें ऊपर बताए गए स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में 02 मिनट के लिए रुकेंगी।

श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों के लिए अतिरिक्त ठहराव

आसनसोल(बिभा) : श्रावणी मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 05028/05027 बढ़नी-देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशल के लिए दुदही रेलवे स्टेशन और रतन सराय रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव (स्टॉपेज) प्रदान करने का निर्णय लिया हैं। 05028 बढ़नी -देवघर श्रावणी मेला स्पेशलः दुदही रेलवे स्टेशन पर 19:45 बजे पहुंचेगी और वहां से 19:47 बजे रवाना होगी; वही रतन सराय रेलवे स्टेशन पर 21:40 बजे पहुंचेगी और वहां से 21:42 बजे रवाना होगी। 05027 देवघर- बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशलः रतन सराय रेलवे स्टेशन पर 07:40 बजे पहुंचेगी और वहां से 07:42 बजे रवाना होगी; वही दुदही रेलवे स्टेशन पर 09:50 बजे पहुंचेगी और वहां से 09:52 बजे रवाना होगी। उक्त ट्रेनों के बाकी सभी समय और स्टॉपेज में कोई बदलाव नहीं होगा।

गोड्डा होम्योपैथिक कॉलेज को मिले छह नए लेक्चरर : इरफान

रांची(बिभा)। झारखंड सरकार ने राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय और अस्पताल, परसापानी (गोड्डा) में छह नए लेक्चररों की नियुक्ति की है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसे राज्य में स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इससे पहले भी महाविद्यालय में चार लेक्चररों की नियुक्ति की जा चुकी है और शिक्षकों की संख्या बढ़ाकर नियमित पठन-पाठन सुनिश्चित किया जा रहा है। इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर कॉलेज को बंद नहीं होने दिया जाएगा, बल्कि इसे बेहतर संस्थानों की श्रेणी में लाने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उनका कहना था कि झारखंड के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा और बेहतर भविष्य देना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कॉलेज और अस्पताल शिक्षा एवं सेवा के केंद्र हैं, इसलिए संस्थानों में सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए सीधे विभाग से संपर्क करने की अपील की। साथ ही बताया कि जल्द ही वह महाविद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। उन्होंने उपायुक्त को भी संस्थान के सुचारु संचालन, सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अमित शाह से की मुलाकात

रांची(बिभा)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति एवं सांगठनिक विषयों पर चर्चा हुई। साहू ने कहा कि गृहमंत्री से मिलकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति में दी।

रेल सुरक्षा में बड़ा सुधार, चालू वित्त वर्ष में अब तक केवल दो बड़ी रेल दुर्घटनाएं; 2,569 रूट किलोमीटर पर लागू हुआ कवच 4.0

बिहान भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत रखरखाव व्यवस्था के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि 2014-15 में इनकी संख्या 135 थी। इसी अवधि में दुर्घटना सूचकांक भी घटकर 0.01 रह गया है। रेलवे ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025-26 में कांसिक्वेंशल रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 16 रह गई, जो 2014-15 की तुलना में 88 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटना सूचकांक भी 2014-15 के 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 रह गया, जो 91 प्रतिशत की कमी दशार्ता है।

उन्होंने बताया कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी व्यय लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में यह 39,200 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 के बजट में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रेलवे ने 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग, 10,395 लेवल क्रॉसिंग पर इंटरलॉकिंग, आधुनिक रेल पटरियों, लंबी रेल पैनलों, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन, ट्रैक रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा अन्य तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

रेल मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क से सभी मानव रहित रेलवे फाटकों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा एलएचबी कोचों का निर्माण, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक सिग्नलिंग, ट्रैक मशीनों के उपयोग और कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण जैसे कदम भी सुरक्षा बढ़ाने में सहायक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कवच भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने पर स्वतः ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं की संभावना कम करती है। जुलाई 2024 में स्वीकृत कवच संस्करण 4.0 में बेहतर लोकेशन सटीकता, बड़े यार्डों में सिग्नल की अधिक सटीक जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ सीधा समन्वय जैसी नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

वैष्णव ने कहा कि इस वर्ष 20 जुलाई तक देश के सबसे व्यस्त रेल मार्ग दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा पर कुल 2,569 रूट किलोमीटर पर कवच 4.0 का सफलतापूर्वक संचालन शुरू हो चुका है। इसके अलावा 21,858 रूट किलोमीटर पर ट्रैक साइड कवच कार्य प्रगति पर है। अब तक 11,253 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है, 1,668 दूरसंचार टावर स्थापित किए गए हैं, 988 स्टेशन डेटा सेंटर विकसित किए गए हैं तथा 6,153 इंजनों में कवच प्रणाली लगाई जा चुकी है। इसके अलावा 7,327 इंजनों और 1,200 ईएमयू/एमईएमयू रेक में भी कवच लगाने का कार्य जारी है।

उन्होंने बताया कि अब तक 94 हजार से अधिक तकनीशियनों, इंजीनियरों और परिचालन कर्मचारियों को कवच प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें लगभग 57 हजार लोको पायलट और सहायक लोको पायलट शामिल हैं। इस साल जून तक कवच परियोजना पर 3,874 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए 2,066 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रेलवे का कहना है कि देशभर में कवच परियोजना का विस्तार तेज गति से किया जा रहा है।

झारखंड के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य के सात जिलों में 02 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के जिन सात जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है उनमें उत्तर पूर्वी जिले (देवघर, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़) शामिल हैं। इसके अलावा 30 जुलाई से 02 अगस्त तक राज्य की विभिन्न जिलों में गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव में 72 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 32.7 डिग्री डाल्टनगंज में और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और रुक-रुक कर हल्की बारिश दर्ज की गई। इस दौरान दिनभर मौसम सुहाना बना रहा।

श्रावणी मेला-2026 : बाबा मंदिर में इस वर्ष भी होगी विशेष अरघा व्यवस्था

बिभा संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने बुधवार को बाबा वैद्यनाथ मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस वर्ष भी विशेष अरघा व्यवस्था समय पर शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में उपायुक्त ने बताया कि श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के सुचारु जलार्पण और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए बाबा मंदिर में विशेष अरघा की व्यवस्था की जाएगी। मंदिर के मंझला खंड में मुख्य अरघा स्थापित किया जाएगा, जहां सामान्य कतार तथा कूपन के माध्यम से आने वाले श्रद्धालु आसानी से जलार्पण कर बाबा वैद्यनाथ के दर्शन कर सकेंगे।

उपायुक्त ने बताया कि मंदिर के निकास द्वार के समीप नीर कुंड के पास बाह्य अरघा भी स्थापित किए जाएंगे। यह व्यवस्था विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, असहाय श्रद्धालुओं तथा कम समय में जलार्पण करने के इच्छुक श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है। इससे ऐसे श्रद्धालुओं को लंबी कतार में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि बाह्य अरघा में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित गंगाजल अत्याधुनिक पाइपलाइन के माध्यम से नीर कुंड होते हुए सीधे गर्भगृह में स्थापित बाबा वैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग पर अर्पित होगा। इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिलेगी, जलार्पण की प्रक्रिया सुगम होगी और मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सुरक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले के दौरान किसी भी व्यवस्था में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य देवघर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक वातावरण में जलार्पण एवं बाबा वैद्यनाथ के दर्शन की व्यवस्था उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही हैं।

श्रावणी मेला- 2026 के लिए आसनसोल मंडल ने किए व्यापक प्रबंध

60 ट्रेन-ऑन-डिमांड (टीओडी) सेवाएं, उन्नत यात्री सुविधाएं एवं कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए सुदृढ़ व्यवस्था

बिहान भारत

आसनसोल: श्रावणी मेलाझ्र2026 के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम एवं बासुकीनाथ आने वाले कांवड़ियों की सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। संभावित अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए मंडल ने ट्रेन सेवाओं का विस्तार करने के साथ-साथ जसीडीह, देवघर, बैद्यनाथ धाम एवं बासुकीनाथ स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा परिचालन समन्वय को और सुदृढ़ बनाया है।

मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री भीड़ को सुचारु रूप से संभालने के लिए 60 ट्रेन-ऑन-डिमांड (टीओडी) सेवाओं की योजना बनाई गई है, जिन्हें यात्री मांग के अनुसार संचालित किया जाएगा, जिससे तीर्थस्थलों तक निर्बाध रेल संपर्क एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित हो सके। यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी आधारभूत संरचना का उल्लेखनीय विस्तार किया गया है। श्रावणी मेला पंडाल का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2025 के 69,000 वर्ग फुट से बढ़ाकर वर्ष 2026 में 1,29,000 वर्ग फुट कर दिया गया है। इसमें जसीडीह में 84,000 वर्ग फुट, देवघर में 30,000 वर्ग फुट तथा बासुकीनाथ में 15,000 वर्ग फुट क्षेत्र शामिल है।

टिकटिंग एवं यात्री सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए 20 अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटर, 6 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), 30 मोबाइल यूटीएस उपकरण, 13 अतिरिक्त वाटर कूलर तथा 10-10 सीटों वाली 3 मोबाइल जैव-शौचालय इकाइयों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा के लिए लगभग 400 एलईडी लाइटें, अतिरिक्त पंखे, पेयजल सुविधाएं तथा प्रतीक्षालय की भी व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जसीडीह स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 330 कर्मियों की तैनाती की गई है। 110 सीसीटीवी कैमरों के एकीकृत नेटवर्क के माध्यम से निरंतर निगरानी की जा रही है। साथ ही प्लेटफार्मों, फुट ओवर ब्रिजों, परिसंचरण क्षेत्रों तथा प्रवेश एवं निकास द्वारों पर विशेष भीड़ प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। प्रमुख स्थानों पर मंडलीय रेलवे अस्पतालों की चिकित्सा टीमों की चौबीसों घंटे तैनाती की गई है। अग्नि सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए 90 से अधिक अग्निशामक यंत्रों के साथ पर्याप्त अग्निशमन उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।

जसीडीह में 247 एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर तथा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल में स्थापित समर्पित वॉर रूम के माध्यम से ट्रेन परिचालन एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की निरंतर निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त यात्री मांग को पूरा करने के लिए दो पारंपरिक कोचिंग रेक भी तैयार रखे गए हैं।

रेलवे अधिकारी प्रभावी भीड़ प्रबंधन एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ सतत समन्वय बनाए हुए हैं। साथ ही, कांवड़ियों के मार्गदर्शन एवं सहायता के लिए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रेलवे कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है।

आसनसोल मंडल सभी कांवड़ियों से अपील करता है कि वे रेलवे के सुरक्षा नियमों का पालन करें, रेलवे घोषणाओं पर ध्यान दें, प्लेटफार्म पार करने के लिए फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें, स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखें, अनावश्यक भीड़ एवं धक्का-मुक्की से बचें, रेलवे पटरियों को पार न करें तथा रेलवे कर्मचारियों एवं सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें। सभी के सहयोग से श्रावणी मेलाझ्र2026 के दौरान सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की जा सकती है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com